छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 301 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 27 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

चाकूवार के मामले में बलवा सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज

बिरयानी लेने गए युवक पर किया था ताबड़तोड़ वार

बदमाशों ने बिरयानी दुकान में युवक पर चाकू से किया प्राणघातक हमला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खरसिया नाका के पास मुरादाबादी बिरयानी दुकान में बिरयानी लेने गए युवक के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने सात नामजद सहित अन्य के विरूद्ध बलवा सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

अविनाश राय ने पुलिस को बताया है कि वे खरसिया नाका में स्थित बिरयानी दुकान गए थे, इस दौरान गोलू पठान, फैजान खान, फैजान सिद्दीकी, साहिल खान, अजमत पठान, फरहान सिद्दीकी, अहमद शेख एवं इनके अन्य साथी आए और नाम पूछने लगे। तीनों अपना नाम बताए, इसके बाद सभी आदर्श साहू से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे और हाथ, मुक्का, चाबी, कड़ा से मारपीट करने लगे। गोलू पठान के द्वारा चाकू से आदर्श साहू के सिर में वार किया गया, जिससे खून बहने लगा। हमलावरों के जाने के बाद वह अपने दोस्त साहिल गुप्ता के साथ आदर्श साहू को मोटरसायकल में बैठाकर जिला अस्पताल ले गया। अविनाश राय की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 109, 115(2), 191(2), 191(3), 296, 351(3) का मामला दर्ज कर लिया है।

सब्जी व्यापारियों के बीच मारपीट, 10 नामजद सहित अन्य के विरूद्ध अपराध दर्ज

शहर के सब्जी मंडी, कंपनी बाजार में सब्जी व्यापारियों के बीच मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर 10 नामजद सहित अन्य के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

दर्रीपारा निवासी अजय साहू ने पुलिस को बताया है कि प्रियांशु गुप्ता से सब्जी का बकाया लेना था, जिसे 25 नवम्बर को सुबह 11 बजे प्रियांशु गुप्ता के दुकान में जाकर मांगा, तो वह गाली-गलौज करने लगा। इसी बीच बल्लु गुप्ता, अंकुर गुप्ता, जगदीश गुप्ता अनिकेत गुप्ता सहित अन्य लोग आ गए और जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का, डंडा से मारपीट करने लगे। बीच-बचाव करने जब उसका भाई विकास साहू आया तो उसके साथ भी हाथापाई किए। इस दौरान विकास के गले से सोने का चेन भी गिर गया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 191(2), 191(3), 296, 351(3) का मामला दर्ज किया है। वहीं कंपनी बाजार में थोक सब्जी का व्यवसाय करने वाले प्रियांशु गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि अजय साहू उसके पास आकर पूर्व में सब्जी बिक्री का शेष पैसा मांग रहा था, जिस पर वह 3800 रुपये दिया। इसके बाद अजय साहू ने पूर्व में लिए 10 ट्रे का पावती देने कहा, जिस पर वह कहा जो ट्रे लिया है, उससे पावती लो। इसी बात से नाराज होकर अजय साहु उसको धक्का दिया, जिससे वह जमीन में गिर गया। इसके बाद अजय साहू गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। मारपीट होते देखकर उसके बड़े पिता जगदीश साहू बीच-बचाव किए। कुछ समय बाद अजय साहू अपने मोहल्ले से विकास साहू, दौलत साहू, सुनिल कुमार गुप्ता, ललित सोनी सहित अन्य लोग को बुला लिया और सभी मिलकर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ, मुक्का, रॉड से मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान गला से सोने का चैन गायब हो गया। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 191(2), 191(3), 296, 351(3) का मामला दर्ज किया है।

धान की मिसाई करते वक्त हाथ कटा, निजी अस्पताल में चल रहा उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के भटगांव थाना अंतर्गत ट्रैक्टर में लगे थ्रेसर मशीन का लापरवाही पूर्वक संचालन करने से एक युवक का दाहिना हाथ कलाई से कटकर अलग हो गया। रिपोर्ट पर पुलिस ने थ्रेसर स्वामी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम चुनगड़ी उरांवपारा निवासी रामसुन्दर तिर्की पिता धरमसाय 45 वर्ष ने भटगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 22 नवम्बर को प्रात: करीब 6 बजे उसके पुत्र उमेश तिर्की को गांव का पिन्टू लकड़ा घर से ट्रेक्टर में लगे थ्रेसर मशीन में काम कराने के लिए ले गया था। इनके साथ पड़ोस में रहने वाला बबनू बखला भी काम करने के लिए गया था। तेलगांव के मानिकचंद राजवाड़े के घर में थ्रेसर मशीन लगाकर धान का मिसाई उमेश तिर्की और बबनू बखला से करा रहे थे। शाम करीब 6 बजे साधारण लकड़ा व गांव के अन्य लोगों ने बताया कि उमेश तिर्की का थ्रेसर मशीन में धान का मिसाई करते समय दाहिना हाथ कलाई से कटकर अलग हो गया है, जिसे इलाज के लिए पिन्टू लकड़ा भटगांव अस्पताल लेकर गया था, यहां से डॉक्टर ने अंबिकापुर रेफर कर दिया है। इसके बाद पिन्टू लकडा उसके लड़के उमेश को घर लेकर आया तो उसका दाहिना हाथ कलाई से कटकर अलग हो गया था, जिसका इलाज अंबिकापुर के एसआरएस अस्पताल में 22 नवम्बर से चल रहा है। पुलिस ने पिन्टू लकड़ा पिता रामचरण के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

पर्यटन मंत्री ने प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए किया अरदास

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सिख धर्म के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत की शताब्दी के अवसर पर अंबिकापुर गुरुद्वारा साहिब में बुधवार को विशेष कीर्तन समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने गुरु ग्रंथ साहिब के सम्मुख मत्था टेकते हुए प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने धर्म और मानवता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन त्याग, सहिष्णुता और सेवा की अद्वितीय मिसाल है। गुरुजी की शिक्षाएं समाज में प्रेम, एकता और करुणा का संदेश देती हैं, जिन्हें अपनाकर हम समरस समाज की दिशा में अग्रसर हो सकते हैं। गुरु तेग बहादुर जैसे महापुरुषों की शिक्षाएं ही हमारी संस्कृति की मूल शक्ति है, जो हर व्यक्ति में मानवता का प्रकाश फैलाती है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और नगरवासी उपस्थित रहे। सभी ने गुरु ग्रंथ साहिब का दर्शन करके गुरु तेग बहादुर के बलिदान को नमन किया। समापन में सामूहिक अरदास के पश्चात गुरुप्रसाद का वितरण किया गया।

मांस विक्रय एवं पशु वध आज पूर्णत: प्रतिबंधित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर पालिक निगम अंबिकापुर ने स्थानीय शासन विभाग के आदेश के अनुपालन में 27 नवम्बर, गुरुवार को शहर में मांस, मछली एवं सभी प्रकार के पशु वध और विक्रय पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की है। जारी सूचना के अनुसार स्थानीय शासन विभाग द्वारा निर्धारित 19 विशिष्ट अवसरों पर पशुवध गृहों को बंद रखने निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में संत वारण तारण जयंती के अवसर पर कार्यालय कलेक्टर, सरगुजा के निर्देशों के पालन में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत किसी भी प्रकार का पशु वध तथा मांस, मछली, बकरा, बकरी, मुर्गा-मुर्गी का विक्रय प्रतिबंधित रहेगा। नगर निगम प्रशासन ने सभी मांस, मछली एवं पोल्ट्री विक्रेताओं से अपील की है, वे निर्धारित तिथि को नियमों का पालन करते हुए किसी भी प्रकार का पशु वध एवं मांस विक्रय न करें। आदेश का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गार्ड की नजरों के सामने सीज करके लाई गई कार को चालू करके ले गया चोर

गाड़ी मालिक समझकर नहीं किया पूछताछ

गार्ड अजय राजवाड़ से पूछने पर वह बताया कि 22 नवम्बर को रात लगभग 11 बजे कार में एक अज्ञात व्यक्ति आया और चाबी से गाड़ी को स्टार्ट करने के बाद यार्ड से बाहर लाकर नया बस स्टैंड की ओर चले गया। वह गाड़ी मालिक समझकर उससे पूछताछ नहीं किया। रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्टेट बैंक के द्वारा जप्त की गई मारूति सुजुकी वाहन को अज्ञात लोगों ने होटल गोविन्दम के कैम्पस से चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट कानूनी अधिकृत ऋण वसूली प्रकोष्ठ के वाहन जप्ती इंचार्ज मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ ने मणीपुर थाना में दर्ज कराई है। चोरी गए वाहन की कीमत सात लाख रुपये बताई गई है।

होटल गोविन्दम में रहने वाले शांतीनगर, राजनगर मध्य प्रदेश निवासी धर्मेन्द्र तिवारी पिता रामकुमार तिवारी 39 वर्ष ने पुलिस को लिखित आवेदन देकर बताया है कि कोरबा के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रास्मिक विभाग से हामीद खान पिता छोटे खान 55 वर्ष, निवासी बलौदा, जांजगीर चांपा मारूती सुजूकी क्रमांक सीजी 11 बीक्यू 9992 फायनेंस कराया था, जिसका मासिक किस्त 17 हजार 900 रुपये है। वाहन स्वामी के द्वारा उक्त वाहन का मासिक किस्त लगातार 3 माह से नहीं देने पर उक्त खाता को बैंक द्वारा एनपीए (गैर निष्पादित संपत्ति) में शामिल कर दिया गया था, जिसके कारण स्टेट बैंक के द्वारा लीगल आर्थराइज्ड डिपार्टमेंट रिकवरी एण्ड इन्फोर्समेंट सेल जबलपुर मध्य प्रदेश को उक्त वाहन को सीज करने हेतु आदेशित किया गया। वाहन स्वामी को दो बार नोटिस दिया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। 20 नवम्बर को शाम करीब 4 बजे उनके साथ कंपनी में कार्यरत मनीष पनिका ने कोरबा दर्री में मस्जिद के पास रहने वाले वाहन स्वामी हामीद खान को वाहन का किस्त पटाने कहा गया और पूर्व में दिए गए नोटिस के संबंध में अवगत कराया गया। इस पर वाहन स्वामी ने किस्त पटाने में असमर्थता व्यक्त की और गाड़ी को ले जाने के लिए कहा। वाहन स्वामी ने गाड़ी का कागजात व एक चाबी वापस किया, दूसरी चाबी गुम होने की बात कहकर नहीं दिया। गाड़ी को अपनी सुपुर्दगी में लेते समय उन्होंने जप्ती पंचनामा वाहन स्वामी एवं गवाह के उपस्थिति में तैयार किया था। वहीं वाहन को लेते समय वाहन स्वामी के समक्ष फोटो भी लिया गया। वाहन स्वामी के द्वारा गाड़ी में जीपीएस लगाना बताया गया था। इसके बाद वे वाहन को अंबिकापुर लेकर आ गए थे और 21 नवम्बर को दोपहर में बिलासपुर चौक अंबिकापुर के पास पेट्रोल पंप के बगल में स्थित होटल गोविन्दम के स्वामी एवं गार्ड अजय राजवाड़े को सूचना देकर यार्ड में वाहन को लॉक करके खड़ा कर दिया था। 25 नवम्बर को शाम लगभग 7.30 बजे होटल के यार्ड का जायजा लेने के लिए वाहन जप्ती इंचार्ज अपने सहयोगी के साथ गए तो सीज करके लाई गई मारूती सुजुकी कार क्रमांक सीजी 11 बीक्यू 9992 नहीं थी।

पीजी कॉलेज में ऑटोनॉमस विभाग छह माह पुरानी सूचना को दबाया

बीकॉम विभाग की सुस्ती से 7वें सेमेस्टर के छात्रों का भविष्य दांव पर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की घोर लापरवाही और उदासीनता के कारण बीकॉम ऑनर्स 7वें सेमेस्टर के सैकड़ों छात्र गहरे संकट में हैं। विभाग ने छात्रों को वैल्यू एडेड कोर्स विषय 'कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसबिलिटी' का प्रोजेक्ट बनाने का निर्देश मुख्य परीक्षा शुरू होने से मात्र चार दिन पहले दिया, जबकि विभाग के पास यह सूचना लिखित दस्तावेज के रूप में 6 माह पूर्व ही उपलब्ध थी। छात्रों ने प्राचार्य को सौंपे गए शिकायत पत्र में बताया कि ऑटोनॉमस विभाग द्वारा प्रोजेक्ट वर्क की अनिवार्यता की जानकारी संबंधित दस्तावेजों के साथ वाणिज्य विभाग को लगभग छह महीने पहले ही प्रदान कर दी थी, इसके बावजूद, विभागाध्यक्ष और विभाग ने जान-बूझकर छात्रों को इस आवश्यक सूचना से वंचित रखा, जिसके कारण अब परीक्षा की तैयारी के निर्णायक समय में छात्रों पर प्रोजेक्ट का अतिरिक्त दबाव आ गया है। छात्रों की मुख्य परीक्षाएं 03.12.2025 से प्रारंभ हो रही हैं। छात्र असमंजस में हैं कि वे परीक्षा की तैयारी करें या आनन-फानन में अनिवार्य प्रोजेक्ट को पूरा करें।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ की जानकारी मिलते ही आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने छात्रों के साथ प्राचार्य से मुलाकात की और बीकॉम विभाग की लापरवाही को उजागर किया। रचित मिश्रा ने प्राचार्य को संबोधित करते हुए कहा कि जब ऑटोनॉमस विभाग द्वारा 6 माह पूर्व लिखित दस्तावेज में बीकॉम डिपार्टमेंट को इस बात की जानकारी दे दी गई थी कि छात्रों को 'कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी' का प्रोजेक्ट बनाना है, तब भी 6 महीने तक इसकी छात्रों को कोई जानकारी क्यों नहीं दी गई। उन्होंने विभाग पर छात्रों को जान-बूझकर गुमराह करने और सूचना से वंचित रखने का आरोप लगाया। उन्होंने बीकॉम डिपार्टमेंट द्वारा लगातार छात्रों को आधी-अधूरी जानकारी देकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है, और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान नीतीश भाई पटेल, विकास, अंजलि, रवि, अमन, गुरप्रीत, श्रेयांश उपस्थित रहे।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई का आश्वासन

प्राचार्य ने इस पर तत्काल हस्तक्षेप करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, आगे से इस प्रकार का कोई भी गलती नहीं होगी और छात्र हित का ध्यान रखते हुए कड़ा फैसला लिया जाएगा। उन्होंने इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों पर त्वरित कार्रवाई करने का भी आश्वासन दिया।

थार वाहन का यूरिया मोटर निकालकर ले गया चोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लेथ वर्कशॉप संचालक के महिन्द्रा थार वाहन का यूरिया मोटर अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया, जिसकी कीमत 25 हजार रुपये बताई जा रही है। लेथ का काम करने वाले चर्च रोड केदारपुर निवासी अमरजीत सिंह ने पुलिस को बताया है कि वह जनवरी 2025 में महिन्द्रा थार क्रमांक सीजी 04 क्यूडी 6808 क्रय किया था, जिसे वह अपने घर के बाहर खड़ा करके रखा था। 11 से 17 नवम्बर के बीच थार वाहन का यूरिया मोटर कोई चोरी कर लिया। काफी खोजबीन के बाद भी यूरिया मोटर का पता नहीं चला। घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई गई है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों में उत्साह, पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था से किसानों का बढ़ा भरोसा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के शुभारंभ के साथ ही किसान वर्ग में उत्साह का माहौल है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में श्री बछार ने सहकारी समिति भंवरमाल में 207 बोरी, यानी लगभग 83 क्विंटल धान बेचा।

इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के ग्राम सुभाषनगर के किसान श्री निखिल बछार ने पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था का पूर्ण लाभ उठाते हुए अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र पर तौल प्रक्रिया पारदर्शी और त्वरित रही तथा समिति के कर्मचारियों का सहयोग ने उन्हें संतोष प्रदान किया। श्री बछार ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित 3,100 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीद नीति ने उनकी आय में सकारात्मक प्रभाव डाला है। आर्थिक स्थिरता मिलने से वह अगली फसल की तैयारी तथा परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की पारदर्शी धान खरीदी प्रक्रिया किसानों के लिए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रही है। तकनीक के उपयोग और सुव्यवस्थित प्रबंधन ने किसानों की समस्याओं को काफी हद तक कम किया है और आय में वृद्धि हो रही है।

205 बोरी अवैध धान सहित तीन पिकअप वाहन जब्त

बलरामपुर। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी शुरू हो चुकी है। इस संबंध में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने सभी निगरानी दलों, नोडल तथा राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर लगातार कार्यवाही हो तथा वास्तविक कृषकों से ही धान खरीदी की जाये। निर्देश के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज श्री आनंद राम नेताम के नेतृत्व में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा उत्तरप्रदेश से आ रहे 03 पिकअप वाहन को जब्त किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील रामचन्द्रपुर अंतर्गत ग्राम झारा एवं डूमरपान तथा धौली में उत्तरप्रदेश से अवैध धान परिवहन करते हुए तीन पिकअप वाहन- यूपी 64 सीटी 3607, यूपी 64 सीटी 3065 एवं एक सोल्ड पिकअप वाहन जिसमें क्रमशः 70, 70 व 65 बोरी अवैध धान लोड था। तीनों वाहन चालकों के द्वारा धान के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर वाहन जब्त कर सबंधित थाना में सुपुर्द किया गया है। ज्ञातव्य है कि जिले में अवैध धान की आवक को रोकने के लिए टीम गठित कर कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा रही है। साथ ही नागरिकों से अपील की है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि तथा अनियमितता होने पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिसमें शिकायतकर्ता की जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में संविधान दिवस पर नशा मुक्ति दिलाया शपथ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में संविधान दिवस के अवसर पर आज दिवस की महत्ता पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। साथ ही बताया गया कि संविधान में उल्लेखित कानून का पालन कर हम आदर्श नागरिक बनते हैं और मिली हुई अधिकारों के कारण ही आज हमें समाज में समानता का अधिकार प्राप्त हैं।

संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि करंजी चौकी प्रभारी संतोष सिंह द्वारा नवजीवन, नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत बच्चों को नशा से होने वाली परेशानियों को बताते हुए इससे दूर रहने की सलाह दी गई। करंजी चौकी प्रभारी संतोष सिंह ने कहा कि घर, परिवार या समाज में यदि कोई नशा करके हो हल्ला करता है तो उसकी जानकारी टोल फ्री नंबर 1930 पर तत्काल दें। बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रहने की सलाह देते हुए सोशल मीडिया का उपयोग सोच समझकर कम

से कम करने, अनजान कॉल, अनजान व्हाट्सएप कॉलिंग से दूर रहने, साइबर ठगी तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे हालात होने पर पुलिस के पास शिकायत करने की सलाह दी गई। प्रधान आरक्षक हरमिंदर सिंह द्वारा यातायात के नियमों को पालन करने की हिदायत दी गई।कार्यक्रम का समापन चौकी प्रभारी संतोष सिंह द्वारा उपस्थित सभी बच्चों, शिक्षकों तथा नागरिकों को शपथ दिलाकर किया गया। इस दौरान आरक्षक चंदेश्वर राजवाड़े, शिक्षक रिजवान अंसारी, श्रीमती एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता, मध्याह्न भोजन सहायिका सुमित्रा राजवाड़े तथा नान दईया व अन्य उपस्थित थे।

प्रसार भारती अंबिकापुर का छात्राओं ने किया औद्योगिक भ्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिश्रामपुर में संचालित व्यावसायिक

पाठ्यक्रम टेलीकम्युनिकेशन के छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतिभा निखारने के उद्देश्य से प्रसार भारती आकाशवाणी अंबिकापुर कर भ्रमण कराया गया। इस दौरान कक्षा 9 वीं, 10 वीं, 11 वीं एवं 12 वीं छात्राएं मौजूद रहे। आकाशवाणी अंबिकापुर के वरिष्ठ अभियंता महावीर भगत एवं अभियंता अमृत कुमार मिंज प्रशिक्षण द्वारा छात्राओं को एंटीना, प्रसारण एवं रेडियो ट्रांसमिसन से संबंधित जानकारियां दी गई। उन्होंने बताया कि व्यवसाय एवं शैक्षणिक के हर पहलू में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग आम है। भ्रमण के दौरान विभिन्न तकनीकी विषयों जैसे टेलीकम्युनिकेशन, इंटरनेट, प्रसारण के विषयों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की एवं तकनीकी विषयों के महत्व को भी समझा। प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य के मार्गदर्शन में टेलीकम्युनिकेशन के व्यावसायिक प्रशिक्षक गणेश कुमार कश्यप द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने बताया कि भ्रमण से अध्ययन में नई नई विषयों की जानकारी मिली एवं नई तकनीक सीखने का मौका मिला।

ट्रैक मेंटेनर की नाइट पैट्रोलिंग बीट 16 से घटाकर 12 किमी की गई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रेलवे मजदूर कांग्रेस की मांग पर बिलासपुर मंडल में ट्रैक मेंटेनर की नाइट पैट्रोलिंग बीट 16 किमी से घटाकर 12 किमी कर दी गई है। मंडल कार्मिक विभाग बिलासपुर ने 25 नवंबर को जारी पत्र में बताया है कि यह व्यवस्था 1 नवंबर 2025 से लागू कर दी गई है। मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने बताया कि 16 किमी बीट ट्रैक मेंटेनरों के लिए कठिन और जोखिमपूर्ण थी। संगठन ने डीआरएम बिलासपुर के साथ हुई बैठकों और पीएनएम एजेंडा 10-ए में लगातार इस मुद्दे को उठाया। 21 अगस्त को हुई बैठक में रेलवे प्रशासन ने 12 किमी बीट को मंजूरी दी। मजदूर कांग्रेस ने कहा कि संगठन ट्रैक मेंटेनरों के हितों के लिए लगातार संघर्षरत है। इससे पहले भी ट्रैक मेंटेनरों को साइकिल भत्ता तथा टीए संबंधी समस्याओं का समाधान कराया गया है।

संविधान दिवस पर किया गया सामूहिक वाचन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संविधान दिवस के अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुरक्षित रखने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर कलेक्टर ने संविधान के उद्देशिका के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान अपर कलेक्टर आर.एन. पाण्डेय, चेतन बोरघरिया, प्रमोद गुप्ता एवं संयुक्त जिला कार्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। संविधान दिवस के अवसर पर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में भी संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। साथ ही देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने की शपथ भी ली।

लेबर कोड के खिलाफ एसईसीएल के सभी क्षेत्रों में बड़ा विरोध

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल के सभी क्षेत्रों में केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार नए श्रम संहिताओं लेबर कोड के खिलाफ श्रमिकों ने एकजुटता से प्रदर्शन किया। संयुक्त केंद्रीय श्रमिक संगठनों द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि आजादी के पहले और बाद के 44 श्रम कानून मजदूरों की सुरक्षा कवच थे, जिन्हें एक झटके में समाप्त कर इन चार श्रम संहिताओं को थोपा गया है। एसकेएमएस एटक महासचिव अजय विश्वकर्मा, एचएमएस महामंत्री नाथूलाल पांडेय, एसईकेएमसी के महासचिव गोपाल नारायण और सीटू महासचिव वीएम मनोहर ने कहा कि नए कोड यूनियन को कमजोर करते हैं, कामगारों की स्थायी नौकरी पर खतरा, ओवरटाइम, सुरक्षा, वेतन और सामाजिक सुरक्षा पर गहरा आघात, उद्योगपतियों को खुली छूट, मजदूरों की पकड़ ढीली हो जाएगी। उन्होंने इसे मजदूरों को गुलामी की ओर धकेलने वाला फैसला बताया। विरोध प्रदर्शन में श्रमिक नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार जबरन इन श्रम संहिताओं को लागू करती है, तो कोयला उद्योग के लाखों मजदूर सड़क से लेकर संसद तक आंदोलन करेंगे। खदानें बंद होंगी, उत्पादन रुकेगा और व्यापक हड़ताल की स्थिति बनेगी। कई खदानों के द्वारों पर मजदूरों ने काले बैनर टांगे और चारों कोड बिल की प्रतियां जलाकर विरोध दर्ज कराया। श्रमिक नेताओं का कहना है कि पिछले कई वर्षों में कोयला क्षेत्र में ऐसा एकजुट और व्यापक विरोध पहली बार देखा गया। मजदूर किसी भी कीमत पर ये चार श्रम कोड स्वीकार नहीं करेंगे। खदानों में काम करने वाले श्रमिकों का कहना है कि इन संहिताओं के लागू होने से नौकरी की सुरक्षा खत्म हो जाएगी, यूनियन की ताकत न के बराबर रह जाएगी और मजदूरों की जिंदगी एक अनुबंध पर टिकी रहेगी।

आज क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष होगा प्रदर्शन

संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय में हुई संयुक्त यूनियन की बैठक में निम्न निर्णय लिया गया कि 27 नवंबर गुरुवार को शाम को 4 बजे महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष एकत्रित होकर केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार लेवल कोड बिल का विरोध किया जाएगा। चार लेवर कोड बिल की प्रतियों को जलाया जाएगा। सभी खदानों में आज रात से ही गेट मीटिंग कर सभी कामगारों को इस हेतु जागरूक किया जाएगा सरकार एवं प्रबंधन द्वारा चार लेवर कोड बिल को लेकर गुमराह किया जा रहा हैं एवं काला फीता लगाकर विरोध किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने जीवन में लाया नया सवेरा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों परिवारों के जीवन में पक्के आवास के सपने को पूरा किया है। योजना अंतर्गत जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम सुलसुली निवासी श्री विश्वनाथ को पक्का आवास मिला, जिससे उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ।

विश्वनाथ का परिवार पहले कच्चे और जर्जर मकान में कठिन परिस्थितियों में रहता था। परिवार के आय का जरिया मजदूरी एवं खेती-बाड़ी था जिससे परिवार का खर्च ही मुश्किल से चल पाता था, ऐसे में पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नही था। उनका कहना है कि वह सपने भी पक्के घर बनाने का सोच भी नहीं सकते थे। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्का आवास मिलने से उनके जीवन में खुशियों का नया सवेरा आया।

भक्तिभाव के साथ मनाया गया श्री गुरु तेग बहादुर का 350 वां शहीदी दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में सिक्खों के 9 वें गुरु श्री गुरुतेग बहादुर साहेब का 350 वां शहीदी दिवस भक्तिभाव के साथ मनाया गया। गुरुद्वारा में 23 नवंबर रविवार को रखाए गए अखण्ड पाठ की समाप्ति मंगलवार 25 नवंबर की सुबह 11.30 बजे सम्पन्न हुई। इसके पश्चात रागी जत्थे ज्ञानी अमरदीप सिंह प्रीत एवं अजीत सिंह प्रीत द्वारा गुरबाणी रूपी शबद कीर्तन किया गया एवं श्री गुरु तेग बहादुर साहेब के धर्म रक्षा के प्रति बलिदान व योगदान को कथा के रूप में उपस्थित साध संगत को स्मरण कराया। यहां पर ज्ञानी अमरदीप सिंह ने स्मरण कराया कि श्री गुरु तेग बहादुर साहेब को हिन्द की चादर एवं भारत की ढाल क्यों कहा जाता है। धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा एवं कश्मीरी पंडितों के जबरन धर्मान्तरण के खिलाफ श्री गुरु तेग बहादुर ने दिल्ली में अपना शीश वार कर

धर्म की रक्षा की। 9 वें गुरु साहस और त्याग का प्रतीक बने जो आज भी न्याय समानता और मानवाधिकारों के लिए खड़े होने की प्रेरणा देते हैं। शहीदी दिवस मनाने से दो दिन पूर्व समूह साध संगत द्वारा रविवार की सुबह तड़के प्रभात फेरी निकालकर शबद कीर्तन एवं नितनेम का पाठ किया गया। मंगलवार को अरदास समाप्ति पश्चात गुरु का लंगर चलाया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। आयोजन में प्रबंधन कमेटी के दलजीत सिंह, जसबीर सिंह टीटू, सुरजीत चावला, धनवीर खेड़ा, मंजीत भामरा, इंदरराज भामरा, रणबीर भामरा, सुखदेव सिंह,गुरविंदर माखीजा सक्रिय रहे।

श्वेत वस्त्रों में स्त्री साध संगत ने किया सामूहिक पाठ व कीर्तन

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में मंगलवार को अखण्ड पाठ की समाप्ति उपरांत सिक्ख समाज की स्त्री साध संगत द्वारा श्वेत वस्त्रों में श्री गुरु तेग बहादुर साहेब को स्मरण करते हुए श्लोक महल्ला नौवां का कीर्तन रूपी सामूहिक पाठ कर उच्चारण किया गया। इस दौरान स्त्री साध संगत की सुरजीत कौर, रविंदर कौर माखीजा, सनमीत कौर चावला, हरमीत कौर बग्गा, रमनदीप कौर, कुलविंदर कौर भामरा, जसप्रीत कौर, जसमीत कौर, प्रभजोत कौर बग्गा, महेन्दर कौर खेड़ा, अमरजीत कौर खेड़ा, मिन्नी कौर खेड़ा, गुरमीत कौर खेड़ा, मनप्रीत कौर, बलजिन्दर कौर, प्रीतपाल कौर,चरनजीत कौर मौजूद रहीं।

कलेक्टर ने एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ एवं अविहित अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 (एसआईआर) का कार्य सुचारू रूप से जारी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में बीएलओ घर-घर जाकर गणना पत्रक भरवाकर उनका ऑनलाइन डिजिटाइजेशन कर रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर श्री कटारा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बीएलओ एवं तीन अविहित अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कलेक्टर द्वारा सामरी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र 142, गजाधरपुर (क) की बीएलओ श्रीमती कंचन पैकरा एवं अविहित अधिकारी श्रीमती सुषमा तथा मतदान केन्द्र 141, गजाधरपुर की बीएलओ श्रीमती भोजपती पैकरा एवं अविहित अधिकारी श्री सुमन भगत पैकरा को गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन कार्य को प्रभावी ढंग से पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र 245, तरकाखाड़ की बीएलओ श्रीमती शांति यादव एवं अविहित अधिकारी श्री संजय कुमार मिंज को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग की खानापूर्ति से माफियाओं के हौसले बुलंद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल क्षेत्र की ग्राम पंचायत राजापुर, कंदरई बासेनपारा, जयनगर कांसापारा, कुरूंवा और सोहागपुर इन दिनों अवैध रेत माफियाओं का अड्डा बन चुके हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि नदी का स्वरूप बदल रहा है और नदी किनारे गहरे खड्डे बन गए हैं। रेत से भरे ट्रैक्टर-मिनी ट्रक रोजाना गांव की सड़कों पर ऐसे दौड़ते हैं, मानो किसी को इन्हें रोकने का हक ही नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि अवैध रेत का यह कारोबार किसी रात की चोरी नहीं, बल्कि सुबह से रात तक खुलेआम चलता सिंघासन बन चुका है, जहां नियमों का नहीं, बल्कि रेत माफियाओं का राज है। बुधवार को खनिज विभाग की टीम कंदरई बासेनपारा घाट पहुंची थी। विभाग ने जेसीबी बुलवाकर नदी किनारे एक बड़ा गड्ढा खुदवा दिया। बताया जा रहा है कि राजापुर में भी खनिज विभाग ने गत दिनों गड्ढा खुदवाया था, ताकि अवैध रेत निकासी को रोका जा सके। पर अगले ही दिन माफियाओं ने स्थानीय कुछ लोगों ने न सिर्फ उस गड्ढे को समतल कर दिया, बल्कि उसी रास्ते पर अब दो गुना ट्रैक्टर चलाने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों की कार्रवाई सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित है, असल में अवैध रेत कारोबार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। लोगों में चर्चा है कि इतना बड़ा कारोबार

बिना संरक्षण के चल ही नहीं सकता है। दिन-रात गूंजते ट्रैक्टरों व मिनी ट्रकों की आवाज नदी के किनारे लगी लंबी लाइनें और सड़क पर उड़ती धूल, यह साबित करते हैं कि कहीं न कहीं कोई बड़ी सांठगांठ खेल में जरूर शामिल है। कुछ प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत के बिना नदी से रेत का ऐसा खुला दोहन संभव ही नहीं है। शिकायत करो तो सिर्फ आश्वासन मिलता है, कार्रवाई केवल कागजों में पूर्ण कर ली जाती है। अवैध रेत उत्खनन से नदी तल तेजी से नीचे जा रहा है, नदी किनारे बसे गांवों में जमीन खिसकने का डर है। जलस्तर गिरने से कुएं व हैंडपंप सूखने का खतरा, नदी का प्राकृतिक प्रवाह बिगड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि जब खनिज विभाग की टीम आज कंदरई बासेनपारा पहुंची तब दो वाहन चालक मौके पर वाहन छोड़कर फरार हो गए थे, जिस पर विभाग उक्त दोनों वाहनों के खिलाफ कार्यवाही भी की गई है।

सपने देखें, संकल्प लें, धारा के विपरीत मेहनत कर आगे बढ़ें-आनंद कुमार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में उमड़ा उत्साह आनंद कुमार और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने युवाओं को दिया सफलता का मंत्र ।वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के पहल पर सरिया में आयोजित कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में सुपरझ30 के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार ने हजारों युवाओं को प्रेरणा से भर दिया। स्कूल मैदान में 3 हजार से अधिक युवा, शिक्षक, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया और अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। पूरा मैदान युवाओं की तालियों और फ्लैशलाइट की रोशनी से गूंज उठा। मुख्य अतिथि आनंद कुमार ने छात्रों से कहा कि जीवन में बड़ा सपना देखें और उसे पूरा करने के लिए संकल्प और निरंतर मेहनत करें ।उन्होंने कहा कि 'जीवन में जितनी मुश्किलें आएंगी, सफलता उतनी बड़ी होगी। पढ़ाई मेहनत से होती है, पैसे से नहीं। शिक्षक नौकरी समझकर नहीं, बल्कि यज्ञ और जिम्मेदारी की भावना से पढ़ाएं।' अपनी संघर्ष यात्रा बताते हुए उन्होंने कहा कि कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में चयन होने के बाद भी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे नहीं जा पाए। पिता के निधन के बाद पापड़ बनाकर और बेचकर पढ़ाई जारी रखी ।जरूरतमंद बच्चों के लिए सुपर-30 शुरू किया और विक्कीझभोलू जैसे कैरेक्टरों के जरिए बच्चों को पढ़ने के विभिन्न तरीके सिखाए। उन्होंने बताया कि कोचिंग माफियाओं ने पांच बार उन पर हमला करवाया, धमकियां भी मिलीं, लेकिन वे रुके नहीं ।केबीसी में अमिताभ बच्चन द्वारा 25 लाख की मदद, राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा जीवनी का लोकार्पण और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्मश्री सम्मान का उल्लेख कर उन्होंने कहा-आज यहाँ का कोई बच्चा भविष्य में अवार्ड लेकर कहे कि उसे प्रेरणा सरिया में मिले इस कार्यक्रम से मिली, वही मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान होगा। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने युवाओं से कहा कि मजबूत इरादा किसी भी बाधा को पार करा सकता है। फिल्म 'सुपर-30' का प्रसिद्ध संवाद उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा–'जब समय आएगा, सबसे ऊंची छलांग हम ही लगाएंगे।' उन्होंने तमिलनाडु की एक युवती की प्रेरक कहानी साझा करते हुए कहा कि हर बच्चा अपने घर की परिस्थिति के हिसाब से कैरियर चुने, किसी दबाव में नहीं।'सिंसियर बनें, सही कोर्स चुनें और अभी से अपना प्लान तय करें। यूट्यूब चैनल पर आईएएस विजन संबंधी वीडियो देखें, यह आपके लिए उपयोगी होगा।'चौधरी ने अपने संघर्ष के दिनों की कहानी भी सुनाई– गांव से लेकर दिल्ली तक आईएएस की किताबों की खोज और विपरीत परिस्थितियों में पढ़ने का किस्सा युवाओं को बेहद प्रेरित कर गया ।कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, पूर्व विधायक श्री विजय अग्रवाल, रायगढ़ मेयर श्री जीववर्धन चौहान, विभिन्न पदाधिकारी और गणमान्य नागरिकों सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सीजीपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों, कक्षा 10वीं-12वीं के मेधावी विद्यार्थियों सहित 100 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया ।वित्त मंत्री ने सभी सम्मानित बच्चों को 5-5 हजार रुपये स्वेच्छानुदान देने की घोषणा की, जिसका युवाओं ने जोरदार स्वागत किया ।युवाओं को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने घोषणा की 'प्रदेश का कोई भी युवा यूपीएससी प्री परीक्षा उत्तीर्ण करेगा, उसे 1 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।'सरिया में आयोजित यह भव्य कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम युवाओं के लिए प्रेरणा, ऊर्जा और नए संकल्पों का संगम साबित हुआ।

किसानों को निःशुल्क चना का बीज वितरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कोरिया जिले के विकासखंड बैकुंठपुर कृषि विभाग द्वारा किसानों को अनुदान पर 22 नवंबर को निःशुल्क चना ,सरसों बीज का वितरण किया गया।उक्त आयोजन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बैकुंठपुर द्वारा किया गया। इसमें कृषि विभाग के खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (धान -चना) योजना अंतर्गत चना बीज का वितरण किया गया। बैकुंठपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत शिवपुर सरपंच पीतांबर सिंह के उपस्थिति में वितरण किया ।उल्लेखनीय है कि कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर खाद एवं पोषण सुरक्षा धान- चना योजना के तहत वितरण क्षेत्र अमहर ,पसला ,शिवपुर से आए किसानों को चना , सरसों बीज का वितरण किया गया। इस दौरान उप संचालक कृषि राजेश कुमार भारती, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती वंदना सिंह श्याम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी टीएस परस्ते,कुलदीप कुशवाहा उपस्थित रहे।

ट्रक-स्कॉर्पियो की टक्कर में 5 की मौत, 2 सेना के जवान शामिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जांजगीर-चांपा । जिले में नेशनल हाइवे 49 पर सुकली के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें ट्रक और स्कॉर्पियो की जोरदार टक्कर में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में भारतीय सेना के 2 जवान भी शामिल हैं। हादसे में 3 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी लोग पंतोरा में बारात में शामिल होकर नवागढ़ लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे हुई।रायगढ़ की ओर से बिलासपुर जा रहा ट्रक और जांजगीर से नवागढ़ की ओर जा रही स्कॉर्पियो आमने-सामने टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का एक हिस्सा पूरी तरह टूट गया और दरवाजों पर खून के निशान साफ नजर आए। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। हादसे में जिन 5 लोगों की मौके पर ही मौत हुई है, उनकी पहचान विश्वनाथ देवागन, पोमेश्वर जलतारे, भूपेंद्र साहू, कमलनयन साहू और राजेंद्र कश्यप के रूप में हुई है। सभी नवागढ़ के शांति नगर के निवासी थे। मृतकों में शामिल सेना के जवान राजेंद्र कश्यप हाल ही में शादी के बाद 2 महीने की छुट्टी पर घर आए थे, जबकि जवान पोमेश्वर जलतारे भी अवकाश पर थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है। हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल पैदा कर दिया है।

हसदेव अरण्य में कोयला खनन को राज्य से हरी झंडी

वन विभाग ने 1742.60 हेक्टेयर वन भूमि डायवर्ट करने की अनुशंसा भेजी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने हसदेव अरण्य में प्रस्तावित कोयला खनन परियोजना को राज्य स्तर पर मंजूरी योग्य मानते हुए बड़ा कदम उठाया है। वन विभाग ने केते एक्सटेंशन ओपन कास्ट कोल माइनिंग और पिट हेड कोल वॉशरी प्रोजेक्ट के लिए 1742.60 हेक्टेयर वन भूमि को गैरझवन प्रयोजन हेतु डायवर्ट करने की अनुशंसा कर दी है।यह अनुशंसा केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजी गई है। यह परियोजना राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (फश्वठछ) की है और संचालन का काम अडानी इंटरप्राइजेस को करना है।

स्थल निरीक्षण के बाद बना रास्ता

सरगुजा वन मंडलाधिकारी की रिपोर्ट और 26 जून 2025 को किए गए स्थल निरीक्षण के आधार पर वन विभाग ने 25 नवंबर 2025 को यह सिफारिश केंद्र को भेजी। कुल भूमि में 1742.155 हेक्टेयर आरक्षित वन और 0.445 हेक्टेयर राजस्व वन शामिल है। दस्तावेज में निबंधन और प्रोसेसिंग शुल्क सहित 1,21,000 रुपये जमा किए जाने का जिक्र भी है। वन विभाग के सचिव अमर नाथ प्रसाद ने अपने पत्र में लिखा है कि उपलब्ध जानकारी और विभागीय परीक्षण के आधार पर यह प्रस्ताव 'राज्य शासन स्तर पर स्वीकृति योग्य' पाया गया है।

अंतिम फैसला केंद्र के हाथ में

राज्य स्तर की जांच पूरी होने के बाद अब फाइल केंद्रीय वन मंत्रालय के पास है। केंद्र की स्वीकृति के बाद भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (एकअ) की शर्तों का पालन, पेड़ कटाई, खनन परियोजना का एक्सीक्यूशन शुरू होगा।

हसदेव अरण्य में पहले भी उठा था विरोध

हसदेव अरण्य को प्रदेश का लंग्स जोन माना जाता है। यह इलाके का सबसे संवेदनशील और जैव विविधता वाला जंगल है।केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक

पर पिछले कई सालों से स्थानीय आदिवासी समुदाय लगातार विरोध दर्ज करता रहा है।हरैया, फत्तेहपुर, साल्ही, हर्रई समेत कई गांवों ने ग्राम सभाओं में खनन के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए। ग्रामीणों का कहना था कि खनन से जंगल और जलस्त्रोत नष्ट होंगे, आजीविका पर असर पड़ेगा, हाथियों और अन्य वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास खत्म होगा और लाखों पेड़ कटने से पर्यावरण संतुलन बिगड़ेगा। 2022झ2023 के दौरान कोल ब्लॉक आवंटन और पेड़ कटाई के विरोध में इस क्षेत्र में लंबा आंदोलन चला था।

दो तरह की राय, फिर भी चिंता बरकरार

कुछ समुदायों ने रोजगार और सुविधाओं की उम्मीद से परियोजना को समर्थन भी दिया है, लेकिन बड़े पैमाने पर विरोध कायम है।पर्यावरणविद हसदेव अरण्य को देश के सबसे समृद्ध वन क्षेत्रों में गिनते हैं और इसे संरक्षित रखने की मांग कर रहे हैं।वन विभाग की ओर से अनुशंसा भेजे जाने के बाद माना जा रहा है कि क्षेत्र में विरोध फिर तेज हो सकता है।परियोजना को लेकर राज्य स्वीकृति के बाद अब नजर केंद्र के अंतिम फैसले पर टिकी है।

गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड के चेहरे पर कालिख पोतकर जूते पहनाए

ससुराल वाले बोले-तू हमारे लिए मर गई, 3 बच्चों की मां है महिला, युवक भी है शादीशुदा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया - छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में शादीशुदा गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड के चेहरे पर कालिख पोती गई है।दोनों को जूतों की माला भी पहनाई गई।इस दौरान पंचायत में गांव के बड़े-बुजुर्ग और पदाधिकारी भी मौजूद थे।वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला जनकपुर थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, महिला 3 बच्चों की मां है।महिला की शिकायत पर उसके ससुराल पक्ष के 4 लोगों और अन्य के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। महिला का कहना है कि उसके पति को उस पर नाजायज संबंध होने का शक था। लड़ाई के बाद पति ने घर से निकाल दिया, इसलिए वह दूसरे युवक के घर रहने चली गई थी।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, महिला की शादी कोरिया जिले के बरेल गांव में हुई थी।उसका उसी गांव के रहने वाले ओम प्रकाश पनिका से अफेयर चल रहा था। अफेयर को लेकर पति-पत्नी में आए दिन झगड़ा होता था। इसी बीच 21 नवंबर को अफेयर को लेकर उनके बीच फिर से झगड़ा हो गया। इस दौरान गुस्साए पति ने अपनी पत्नी को घर

से निकाल दिया। घर से निकाले जाने के बाद महिला अपने प्रेमी ओम प्रकाश के घर चली गई। इससे महिला के चाचा ससुर राय सिंह, गुलाब सिंह और चाची सास उर्मिला और अनीता ने अपनी बहू और उसके प्रेमी ओम प्रकाश को पकड़ लिया।इसके बाद वे प्रेमी-प्रेमिका को गांव के बीच एक पब्लिक जगह पर ले आए और पंचायत की। गांव की पंचायत में ससुराल वालों ने दोनों के बीच नाजायज रिश्ते का आरोप लगाया। उन्होंने ओम प्रकाश को चोर कहकर नारे भी लगाए। उनके चेहरे पर कालिख पोत दी और जूतों की माला पहना दी।

जनकपुर पुलिस ने दर्ज की FIR

वहीं कालिख पोतने और जूते की माला पहनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद महिला ने जनकपुर थाने में ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जनकपुर पुलिस ने राय सिंह, गुलाब सिंह, उर्मिला सिंह व अनीता सिंह के खिलाफ इठर की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया।रिपोर्ट में महिला ने बताया है कि पति ने अवैध संबंध के शक पर विवाद किया। घर से निकाले जाने के बाद वह ओमप्रकाश के घर गई। ओमप्रकाश के परिवार से अच्छा संबंध होने के कारण उसके घर में रह रही थी। इससे गुस्साए ससुराल वालों ने अपमानित किया। पंचायत में उन्होंने कहा कि तू आज से हमारे लिए मर गई। वहीं मामले में जनकपुर थाना प्रभारी ओमप्रकाश दुबे ने बताया कि महिला की शिकायत पर FIR दर्ज की गई है।महिला की शादी करीब 8 साल पहले हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। वहीं ओमप्रकाश भी शादीशुदा है और उसका एक बच्चा है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

संविधान में आस्था रखकर आगे बढ़ रहा है भारत : विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।मुख्यमंत्री साय बुधवार को 75वें संविधान दिवस पर टाउन हॉल में आयोजित हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम में शामिल हुए।मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया और संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संविधान दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने संविधान पर आधारित लघु फिल्म भी देखी और जनप्रतिनिधियों के साथ इस अवसर को यादगार बनाने के लिए सेल्फी ली। उन्होंने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत सदैव संविधान में आस्था रखते हुए आगे बढ़ रहा है।संविधान प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्रता के साथ अपनी बात रखने का अधिकार देता है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है।उन्होंने कहा कि विधायक और सांसद जैसे पदों पर आम नागरिकों का पहुँचना संविधान की ही उदार, समावेशी और लोकतांत्रिक व्यवस्था का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने संविधान निर्मात्री सभा में देश के सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के संविधान निर्माण अमूल्य योगदान दिया को स्मरण किया। उन्होंने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ से भारत के संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठजनों का स्मरण करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की यह ऐतिहासिक भागीदारी आज भी गर्व का विषय है

एसआईआर में नोटिस देने से पहले चुनाव आयोग भी खंगालेगा पुराने रिकॉर्ड

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में जिन मतदाताओं के न तो खुद और न ही उनके माता-पिता या दादा-दादी के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में मिलेंगे उनका ब्योरा एक अलग रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।चुनाव आयोग इन्हें नोटिस देने से पहले एक बार फिर वर्ष 2003 की मतदाता सूची में इनका या इनके परिवार का नाम खोजने की कोशिश करेगा। कम से कम नोटिस जारी हों इसके लिए चुनाव आयोग कवायद कर रहा है।

वर्ष 2027 के विधान सभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए चल रही एसआईआर की प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण है।अभियान के तहत चुनाव आयोग ने मतदाताओं को तीन श्रेणियों में बांटकर सत्यापन प्रक्रिया अधिक स्पष्ट बना रहा है।

पहली श्रेणी में वे मतदाता शामिल किए गए हैं जिनके नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पहले से दर्ज हैं।इनका रिकार्ड उपलब्ध होने के कारण इनका सत्यापन सबसे सरल है।इन्हें कोई भी प्रमाण पत्र नहीं देना होगा।

दूसरी श्रेणी उन लोगों की है जिनके अपने नाम तो 2003 की सूची में नहीं हैं, लेकिन उनके माता-पिता या दादा-दादी के नाम सूची में मौजूद हैं। ऐसे मामलों में परिवार के पुराने रिकार्ड के आधार पर सत्यापन हो जाएगा। इस श्रेणी के भी मतदाताओं को कोई भी प्रमाण पत्र नहीं देना होगा।

तीसरी श्रेणी के मतदाता जिनके न तो स्वयं के नाम और न ही उनके माता-पिता या दादा-दादी के नाम 2003 की मतदाता सूची में मिलते हैं। चुनाव आयोग तीसरी श्रेणी में शामिल मतदाताओं को नोटिस जारी करने से पहले एक बार फिर वर्ष 2003 की सूची में उनके या उनके परिवार के नाम खोजने की कोशिश करेगा।

नगर निगम निजी हाथों में देगा 71 पिंक टॉयलेट का संचालन

संवाददाता

लखनऊ। पिंक टॉयलेट का संचालन करने से विफल रहा नगर निगम अब निजी एजेंसियों की मदद लेगा।बंद चल रहे हैं या फिर बदहाली का शिकार बने पिंक टॉयलेट के संचालन निजी हाथों में दिए जाने का खाका नगर निगम ने तैयार कर लिया है।नगर निगम संचालन पर कोई शुल्क नहीं खर्च करेगा, बल्कि एजेंसी के लोगों को ही खर्च उठाना पड़ेगा। एजेंसी को आय करने के लिए पिंक टॉयलेट के बगल में बनी दुकान का संचालन करने के साथ ही विज्ञापन प्रदर्शित कर उसका शुल्क वसूलने का अधिकार दिया जाएगा।

नगर आयुक्त गौरव कुमार का कहना है कि नगर निगम या फिर जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) की तरफ से पिंक टॉयलेट का संचालन का ठीक से नहीं किया जा रहा है, जिस कारण पिंक टॉयलेट बंद हैं फिर वहां सुविधाओं का अभाव है। इसलिए जल्द ही टेंडर के माध्यम से निजी संस्थाओं को संचालन का जिम्मा दिया जाएगा।उन्होंने पिंक टॉयलेट के बगल में बनी दुकानों का संचालन और विज्ञापन प्रदर्शन कर आय करने का अधिकार दिया जाएगा। नगर निगम किसी तरह का कोई खर्च नहीं करेगा।

दो साल से बदहाली के दौर से गुजर रहे पिंक टॉयलेट

नगर निगम में पिंक टॉयलेट के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की लापरवाही से हाल बद से बदतर होते जा रहे हैं।71 पिंक टॉयलेट बने हैं, जिसमे से कुछ ही संचालित हो रहे हैं, जबकि अधिकांश पर ताला लटक रहा है।

लखनऊ में पुलिस ने डायवर्जन किया लागू

संवाददाता

लखनऊ। बाराबिरवा (अवध) चौराहा पर अंडरपास निर्माण कार्य के दौरान पानी की पाइप लाइन सोमवार शाम को फट गई थी, जिसके कारण घंटों वाहन चालकों ने ट्रैफिक जाम झेला। इससे सबक लेते हुए ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को डायवर्जन जारी किया। ट्रैफिक पुलिस की तरफ से बताया कि काम चलने तक डायवर्जन लागू किया जा रहा। सही होने पर हटाया जाएगा। इस दौरान ट्रैफिस से समस्या आने पर कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क किया जा सकते है।

यह व्यवस्था की जाएगी लागू:

-पारा से अवध चौराहा व आलमबाग की तरफ नहीं जा सकेंगे, बल्कि तिकोनिया तिराहा से होकर जा सकेंगे।

-कानपुर से आलमबाग की तरफ नहीं जा सकेंगे, बल्कि शहीद पथ तिराहा होकर जा सकेंगे।

मरम्मत कार्य के चलते शुक्रवार तक बंद रहेगा महमूदनगर रेलवे फाटक

संवाददाता

लखनऊ।उत्तर रेलवे के मंडल प्रबंधक कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार मलिहाबाद थाना क्षेत्र के महमूद नगर रेलवे फाटक संख्या 231/बी, जो महमूदनगर रोड से लखनऊझहरदोई रोड को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर स्थित है, आगामी तीन दिनों के लिए बंद रहेगा। रेलवे विभाग ने बताया कि इस समपार पर आवश्यक मरम्मत कार्य निर्धारित किया गया है, जिसके चलते 26 नवंबर बुधवार सुबह 8 बजे से 28 नवंबर शुक्रवार शाम 6 बजे तक सड़क यातायात पूरी तरह प्रभावित रहेगा।

इस संबंध में रेलवे प्रशासन ने उपजिलाधिकारी मलिहाबाद को औपचारिक सूचना भेज दी है, ताकि वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।अधिकारियों ने बताया कि बंद अवधि के दौरान छोटे तथा हल्के वाहन महमूद नगर की ओर से आने पर मुजासा रोड की तरफ मोड़े जाएंगे। वहां से लखनऊझहरदोई रोड पर स्थित समपार संख्या 232/सी के माध्यम से यातायात आगे भेजा जाएगा।भारी वाहनों के लिए प्रतिबंध रहेगा और उन्हें मलिहाबाद अमानीगंज रेलवे फाटक का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

रेलवे क्रॉसिंग 231/बी के तीन दिन बंद रहने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित लखनऊझहरदोई मार्ग पर आवागमन करने वाले लोगों को काफी असुविधा झेलनी पड़ेगी। स्थानीय निवासियों और दैनिक यात्रियों का कहना है कि कामकाजी लोगों, छात्रों और आपूर्ति वाहनों की आवाजाही पर इसका सीधा असर पड़ेगा।हालांकि रेलवे प्रशासन का कहना है कि मरम्मत पूर्ण होने के बाद फाटक का संचालन अधिक सुचारु व सुरक्षित होगा।

सम्पादकीय

महिलाओं ने तीन विश्व कप जीतकर लिखा नया अध्याय

आज हम 21वीं सदी में है। कभी वो समय था, जब महिलाओं को केवल घर की चारदीवारी तक ही सिमित रखा जाता था। यहां तक की अनेक देशों में तो उन्हें वोट देने तक का अधिकार नहीं था, लेकिन आधुनिक युग में महिलाएं कहीं भी पुरुषों से पीछे नहीं हैं। वे जितने अच्छे से घर, परिवार और माता -पिता को संभालती हैं, उतने ही अच्छे से हवाई जहाज भी उड़ा रही हैं। बड़ी कंपनी में भी दायित्व निभा रही हैं। यहां तक कि देश की रक्षा में भी उनका अहम योगदान है। उन्होंने अपनी योग्यता का चौतरफा लोहा मनवा लिया है। चांद पर जाने वाली भी महिला है और घर संभालने वाली भी। इसी कड़ी में क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद देश को महिलाओं ने एक बार फिर गर्व का मौका दिया है। अब उन्होंने कबड्डी में दुनियाभर में धाक जमाते हुए वर्ल्ड कप जीत लिया है। बांग्लादेश के ढाका में 2025 का फाइनल भारत और चीनी ताइपे के बीच खेला गया। खिताबी मुकाबले में भारत ने चीनी ताइपे को 35-28 के स्कोर से हरा दिया। भारतीय महिला टीम ने लगातार दूसरी बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। भारत ने ग्रुप चरण के सभी चार मैचों में जीत हासिल कर और सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। उनके प्रतिद्वंद्वी चीनी ताइपे भी खिताबी मुकाबले में अपराजित थे और उन्होंने मेजबान बांग्लादेश को 25-18 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबला काफी जोरदार रहा, जिसमें चीनी ताइपे ने शुरुआती दौर में भारत के डिफेंस को चुनौती दी। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने अनुशासित टैकल और सही समय पर किए गए हमलों के जरिए धीरे-धीरे नियंत्रण हासिल किया और मैच के निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखा और कप अपने नाम कर लिया। भारत की बेटियां अपने दम पर दुनिया में देश का नाम रोशन कर रही हैं। पिछले 30 दिन के भीतर इन बेटियों ने 3 वर्ल्ड कप जीत लिए हैं। सबसे पहले भारत की महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को हराकर महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीता। इसके बाद ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारत की ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने कमाल कर दिया। उन्होंने फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया और ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब कोलंबो में जीता। पहली बार ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन हुआ था। इसके बाद अब भारत की महिला कबड्डी टीम ने भी वर्ल्ड कप जीत लिया है। हमारी सोच चाहे कैसी भी रही हो, सच तो यही है कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर या उनसे आगे हैं, भले ही उन्हें विपरीत परिस्थितियों और सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़े। महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी मेहनत, लगन और बुद्धिमत्ता से पुरुषों को मात दे रही हैं। इतना सब होने के बावजूद आज भी हमारे समाज में दहेज के लिए हत्या, यौन शोषण, कन्या भ्रूण हत्या व महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसी कुरीतियां भी हैं। जिन पर पार पाना अभी शेष है। ऐसे लोग भी हैं जो इतना सब होने के बाद भी महिलाओं को दोयम दर्जे का समझते हैं और उन्हें किसी तरह के अधिकार देने को तैयार नहीं। अगर हम ऐसी मानसिकता से निपटने में कामयाब रहे तो तय है कि ये आधी आबादी न केवल देश को ज्यादा गौरवान्वित करेगी बल्कि विकास की रफ्तार भी तेज होगी।

प्रेरणा
नायब सिंह सैनी

> हिंदुस्तान गुरुओं, संतों, महापुरुषों, फकीरों का देश है। प्रदेश में कुरुक्षेत्र की धरती पर अधर्म के विरुद्ध धर्म की रक्षा के लिए महाभारत का युद्ध हुआ। महाराज कुरु ने स्वर्ण मंडित हल चलाया एवं भगवान श्री कृष्ण जी ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। इसीलिए हरियाणा सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वीं शहादत समागम ज्योतिसर में मनाने का फैसला लिया। सरकार ने संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना शुरू की, जिसके अंतर्गत श्री गुरु नानक देव जी, श्री गुरु तेग बहादुर जी, श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी, बाबा बंदासिंह बहादुर जी, धन्ना भगत जी, संत कबीर जी, संत नामदेव जी और संत रविदास जी सहित अन्य महान संतों के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यक्रम किए जाते हैं।

धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षक गुरु तेग बहादुर

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर में यदि किसी एक व्यक्तित्व की उपस्थिति सदियों से अडिग, उज्ज्वल और अमर रही है, तो वे हैं श्री गुरु तेग बहादुर जी, जो पीढ़ी दर पीढ़ी मानवता के सच्चे रक्षक, अत्याचार के विरुद्ध अदम्य साहस के प्रतीक और धार्मिक स्वतंत्रता के महान संरक्षक के रूप में जाने जाते हैं। उनका बलिदान केवल एक समुदाय या क्षेत्र के लिए नहीं था, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए था। एक ऐसा बलिदान, जिसने भारत की आध्यात्मिक आत्मा को सुरक्षित रखा और "वसुधैव कुटुम्बकम" के सिद्धांत को जीवंत किया।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के बचपन का नाम त्याग मल था। वे छठे पातशाह श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी व माता नानकी जी की संतान थे। उनका जन्म 1 अप्रैल 1621 ई. को अमृतसर में हुआ। वहां आज गुरुद्वारा 'गुरु के महल' के नाम से सुशोभित है।

गुरु जी के जन्म के समय, हिन्दुस्तान पर मुगल बादशाह औरंगजेब का शासन था। वह पूरे भारतवर्ष का इस्लामीकरण करना चाहता था। भारत में उस समय बहुतायत, सनातन को मानने वालों की थी। औरंगजेब के धर्म परिवर्तन के लिए किए जा रहे अत्याचार से सताए हुए तत्कालीन हिंदू नेता पंडित कृपा राम जी ने कश्मीर से अपने साथियों के साथ श्री आनंदपुर साहिब (पंजाब) में गुरु तेग बहादुर जी के पास पहुंच कर किए जा रहे जुल्म को रोकने तथा धर्म की रक्षा करने की विनती की।

गुरु जी ने उनकी फरियाद सुनकर कहा कि ऐसे अत्याचारों को रोकने के लिए किसी महापुरुष को बलिदान देना होगा। उस समय बालक गोबिंद राय ने पूरी वार्ता सुनकर, अपने पिता गुरु तेग बहादुर जी से कहा कि, आप जी से बड़ा कोई महापुरुष नहीं हैं। इसलिए बलिदान आपको ही देना चाहिए। यह सुनकर, गुरु जी ने अन्तर्मुग्ध होते हुए, आए फरियादियों से कहा कि जाओ, औरंगजेब को कह दो, कि यदि गुरु तेग बहादुर जी धर्म परिवर्तन कर लेंगे तो पूरा भारतवर्ष ही, इस्लाम कबूल कर लेगा। यह संदेश जब औरंगजेब को मिला तब उसने गुरु जी को दिल्ली दरबार में उपस्थित होकर इस्लाम कबूल करने को कहा। तब उन्होंने दृढ़तापूर्वक, फ़तवा स्वीकार करने से इनकार कर दिया। बादशाह ने अवज्ञा का परिणाम, मृत्यु के रूप में कबूलने के लिए कहा। सजा की तारीख 11 नवंबर, 1675 तय करके चांदनी चौक, दिल्ली में गुरु जी के साथ गए तीन श्रद्धालुओं - भाई दयाला जी, भाई सती दास जी और भाई मती दास जी को देग में उबाल, रूई में लपेट जलाकर और आरे से चीरकर शहीद करने के बाद भी जब गुरु तेग बहादुर जी घबराए नहीं, बल्कि दृढ़ रहे, तब गुरु जी का शीश भी धड़ से अलग कर दिया।

इतना ही नहीं, भाई जैता जी को दिल्ली से आते हुए, गांव गढ़ी कुशाला (बढ खालसा) सोनीपत में, शीश सहित मुगल फौज ने घेर लिया। इस गांव के गुरु घर के अनन्य सेवक, भाई कुशाल सिंह दहिया ने, अपने शीश को पुत्र द्वारा फौज के हवाले करवा दिया और फिर भाई जैता जी फौज को चकमा देकर गुरु जी के शीश सहित तरावड़ी, अम्बाला से होते हुए श्री आनंदपुर साहिब पहुंचे। उनके शीश को आनंदपुर साहिब पहुंचाने के लिए भाई जैता जी ने सेवा निभाई। पवित्र शरीर का संस्कार उस समय के विश्व के सबसे अमीर लोगों में शामिल लक्खी शाह वंजारा ने अपने गांव रायसिना (दिल्ली) में

अपने घर में रख आग लगाकर किया था। इस हृदय-विदारक घटना के उपरांत ही, मुगलिया सल्तनत का पतन होना तय हो गया।

यह हमारा गौरव है कि हमारा हिंदुस्तान गुरुओं, संतों, महापुरुषों, फकीरों का देश है। यहीं हरियाणा प्रदेश में कुरुक्षेत्र की धरती पर अधर्म के विरुद्ध धर्म की रक्षा के लिए महाभारत का युद्ध हुआ। यहां महाराज कुरु ने स्वर्ण मंडित हल चलाया एवं भगवान श्री कृष्ण जी ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। इसीलिए हरियाणा सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहादत समागम ज्योतिसर में मनाने का फैसला लिया।

हरियाणा में ही, सिख समुदाय के पहले बादशाह बाबा बंदा सिंह बहादुर की राजधानी लोहगढ़ (यमुनानगर) में मार्शल आर्ट इंस्टीट्यूट व श्री गुरु तेग बहादुर मेडिकल कॉलेज, यमुनानगर बनाया जा रहा है। श्री गुरु नानक देव जी के गुरुद्वारा चिल्ला साहिब (सिरसा) की 72 कनाल भूमि बिना कोई कीमत लिए कमेटी को निशुल्क दी गई। सारे प्रदेश में, अन्य स्थानों पर भी स्मारक द्वार, कॉलेज एवं संस्थानों का नामकरण गुरु साहिबानों के नाम पर किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई में सारे विश्व में, लगभग 142 विदेशी दूतावास हैं, वहां के स्थानीय लोगों के सहयोग से, गुरु जी की शहादत को नमन किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र की पवित्र धरती पर आठ गुरु साहिबान, श्री गुरु नानक देव जी, श्री गुरु अमरदास जी, श्री गुरु अर्जुन देव जी, श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी, श्री गुरु हरिराय जी, श्री गुरु हरिकृष्ण जी, श्री गुरु तेग बहादुर जी तथा श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने समय-समय पर इस धरती पर अपने चरण डालकर पवित्र किया।

हरियाणा सरकार द्वारा पहली नवम्बर से 25 नवम्बर, 2025 तक हरियाणा में गुरु साहिब जी की स्मृति में अनेक आयोजन किए हैं जोकि जन-सहभागिता और आध्यात्मिक एकता की अनोखी मिसाल बने हैं। राज्यभर में चारों दिशाओं से निकली श्रद्धा यात्राएं एक अनोखा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव बन गई हैं। राज्य में 8 नवंबर को रोड़ी (सिरसा), 11 नवंबर को पिंजौर (पंचकूला), 14 नवंबर को फरीदाबाद तथा 18 नवंबर को कपाल मोचन (यमुनानगर) में आयोजित यात्राओं ने हरियाणा को सचमुच एक आध्यात्मिक और भाईचारे की एकजुटता के धागे में पिरो दिया है। प्रदेश के गांव-गांव में कीर्तन, भजन, सत्संग और गुरु साहिब जी की वाणी का पाठ किया गया।

गुरु तेग बहादुर जी की स्मृति में प्रदेश सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। सिरसा स्थित चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में 'गुरु तेग बहादुर चेयर' की स्थापना की । अंबाला के पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम बदलकर गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। करनाल में एक भव्य मैराथन तथा टोहाना-जींद-नरवाना मार्ग को "गुरु तेग बहादुर मार्ग" नाम देने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। कलेसर क्षेत्र में "गुरु तेग बहादुर वन" विकसित किया जा रहा है। यमुनानगर के किशनपुर में "जी.टी.बी. कृषि महाविद्यालय" की स्थापना भी प्रस्तावित है। इन सभी पहलों का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर जी के त्याग, बलिदान और मानवता के अद्वितीय संदेश को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

गुरु साहिब जी के संदेश आज भी हमारे दिलों में उतने ही जीवन्त और प्रभावशाली हैं, जितने 350 वर्ष पहले थे। उनकी अमर वाणी और उनका अद्वितीय बलिदान हमें तथा आने वाली पीढ़ियों को सदा प्रेरित करता रहेगा। गुरु जी की शहादत संबंधी, गुरु परंपरा के समकालीन कवि "सेनापति" ने उपयुक्त और अति सुंदर कहा है-

'प्रगट भयो गुरु तेग बहादर, सकल सृष्ट पै ढापी चादर'

(लेखक हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पद ग्रहण
डॉ. चन्द्र त्रिखा

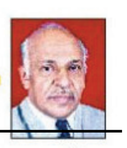

जस्टिस सूर्यकांत : गांव से मुख्य न्यायाधीश तक

राष्ट्रपति भवन का ऐतिहासिक प्रांगण एक बार पुनः भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली परंपरा का साक्षी बना, जब जस्टिस सूर्यकांत ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष पूर्ण निष्ठा, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति समर्पण की शपथ लेते हुए भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश का पद ग्रहण किया। यह क्षण केवल एक संवैधानिक औपचारिकता भर नहीं था, बल्कि भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसे अध्याय का उद्घाटन था जिसमें अनुभव, संवेदनशीलता और नैतिक दृढ़ता तीनों एक साथ दिखाई देती हैं।

जस्टिस सूर्यकांत का जन्म 10 फरवरी 1962 को हरियाणा के हिसार जिले के पेटवाड़ गांव में हुआ। ग्रामीण परिवेश, सादगी, मेहनत और संस्कारों से भरे वातावरण ने उनके व्यक्तित्व का वह आधार गढ़ा, जिस पर आगे चलकर भारतीय न्यायपालिका की ऊँचाइयों तक पहुंचने का महल खड़ा हुआ। उन्होंने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से कानून की शिक्षा प्राप्त की और शुरुआत में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में वकालत की। उनके कामकाज, स्पष्टवादिता और न्याय के प्रति संवेदनशील दृष्टि ने उन्हें शीघ्र ही एक प्रतिष्ठित वकील और बाद में एक विश्वसनीय न्यायाधीश के रूप में स्थापित कर दिया। राष्ट्रपति द्वारा आज उन्हें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया और इसके साथ ही उन्होंने लगभग पंद्रह महीने के अपने कार्यकाल की शुरुआत की, जो 9 फरवरी 2027 को पूरा होगा। यह अवधि भले ही अपेक्षाकृत छोटी है, परन्तु भारत की न्यायपालिका में इस दौरान अनेक महत्वपूर्ण संवैधानिक, सामाजिक और प्रशासनिक मामलों पर निर्णय लिये जाने की संभावना है। जस्टिस सूर्यकांत पहले भी कई महत्वपूर्ण फैसलों का हिस्सा रहे हैं, चाहे वह अनुच्छेद 370 से संबंधित मुद्दे हों, गोपनीयता और निगरानी (पेगासस) जैसे संवेदनशील प्रश्न हों, या फिर सामाजिक न्याय, पर्यावरण और भ्रष्टाचार से जुड़े जटिल मामले हों। उनका दृष्टिकोण संतुलित माना जाता है, जहां कानून की कठोरता है, वहीं मानवीय संवेदना का भी समावेश मिलता है। जस्टिस सूर्यकांत के व्यक्तित्व की जड़ें उनके परिवार और विशेष रूप से उनके पिता श्री मदन गोपाल शास्त्री की शिक्षा में दिखती हैं। शास्त्री जी संस्कृत के अध्यापक थे, लेकिन केवल अध्यापन तक सीमित नहीं थे। वे संस्कृत साहित्य के साथ-साथ हरियाणा की लोक-सांस्कृतिक परंपराओं के भी संरक्षक थे। उनके जीवन का मूल आधार सादगी, स्पष्टवादिता और पारदर्शिता था। परिवार में आपसी सम्मान की परंपरा इतनी गहरी थी कि सभी बच्चों के घरों में माता-पिता के लिए अलग कमरे बनाए गए थे। यह सिर्फ सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि उन संस्कारों का द्योतक है जिन्हें इस परिवार ने पीढ़ियों से सँभाल कर रखा। इसी पृष्ठभूमि में पले-बढ़े सूर्यकांत के सार्वजनिक जीवन में भी वही विनम्रता और संतुलन दिखाई देता है। शायद यही कारण है कि उनके निर्णयों में व्यवहारिकता का अद्भुत संतुलन देखने को मिलता है। राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह केवल जस्टिस सूर्यकांत का सम्मान नहीं था, बल्कि न्यायपालिका के उस विश्वास का प्रतीक था जो देश की संपूर्ण न्याय व्यवस्था को संचालित करता है। जब वे शपथ ले रहे थे, तो वह क्षण भारतीय संविधान की आत्मा को नए नेतृत्व के सुपुर्द करने जैसा था। यह नेतृत्व अनुभव, संवेदना, श्रम और विनम्रता से निर्मित है। इस नेतृत्व से न्यायपालिका को नई स्थिरता और नई दिशा मिलने की उम्मीद स्वाभाविक है।भारत जैसे विविधता वाले देश में न्यायपालिका का नेतृत्व केवल कानूनी क्षमता पर आधारित नहीं होता, बल्कि उसकी नैतिक और सामाजिक समझ भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। जस्टिस सूर्यकांत का जीवन हमें यह संदेश देता है कि महान ऊँचाइयों तक पहुंचने के लिए केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कार, संकल्प और सादगी भी उतनी ही ज़रूरी हैं। उनके कार्यकाल से इस बात की उम्मीद की जाती है कि वे न्यायपालिका में पारदर्शिता, त्वरित न्याय और संवैधानिक मूल्यों को और सुदृढ़ करेंगे। उनका सफर एक अत्यंत साधारण परिवेश से शुरू हुआ था, लेकिन इस सफर की ऊँचाई अत्यंत असाधारण है और यही उस भारतीय लोकतंत्र की सुंदरता है जिसमें हर नागरिक को अपने प्रयासों, मूल्यों और सपनों के आधार पर सर्वोच्च स्थान तक पहुंचने का अवसर मिलता है। जस्टिस सूर्यकांत की यह यात्रा केवल उनका व्यक्तिगत गौरव नहीं, बल्कि भारतीय न्यायपालिका और भारतीय समाज दोनों की सामूहिक उपलब्धि है। जबकि उनके शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित रहना मेरे लिए स्वयं किसी बड़ी उपलब्धि जैसा है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

असंयम लक्ष्य विमुख कर देता हैं

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, … तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम न्यूनता और दोषों को ही खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वह अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता हुआ स्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। रीरामचरितमानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया।

कर्म महत्वपूर्ण है

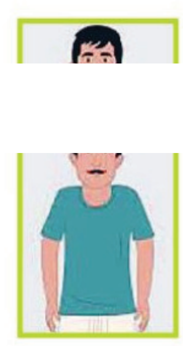

संकलित
प्रेरणा

एक निक्कमे आदमी की पत्नी ने उसे घर से निकलते हुए कहा आज कुछ न कुछ कमा कर ही लौटना नहीं तो घर में नहीं घुसने दूगीं। आदमी दिन भर इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन उसे कुछ काम नहीं मिला। निराश मन से वह जा रहा थी कि उसकी नजर एक … मरे हुए सांप पर पड़ा। उसने एक लाठी पर सांप को लटकाया और घर की ओर जाते हुए सोचने लगा, इसे देखकर पत्नी डर जाएगी और आगे से काम पर जाने के लिए नहीं कहेगीं। घर जाकर उसने सांप को पत्नी को दिखाते हुए कहा, ये कमाकर लाया हूँ। पत्नी ने लाठी को पकड़ा और सांप को घर की छत पर फेंक दिया।वह सोचने लगी कि मेरे पति की पहली कमाई जो कि एक मरे हुए सांप के रूप में मिली, ईश्वर जरुर इसका फल हमें देगें क्योंकि मैंने सुना हैं कि कर्म का महत्व होता हैं। वह कभी व्यर्थ नहीं जाता। तभी एक बाज़ उधर से उड़ते हुए निकला जिसने चोंच में एक कीमती हार दबा रखा था। बाज़ की नजर छत पर पड़े हुए सांप पर पड़ी उसने हार को वहीं छोड़ा और सांप को लेकर उड़ गया। पत्नी ने हार को पति को दिखाते हुए सारी बात बताई। पति अब कर्म के महत्व को समझ चुका था, उसने हार को बेचकर अपना व्यवसाय शुरू किया। कल का एक गरीब इन्सान आज का सफल व्यवसायी बनकर इज्जत की जिंदगी जी रहा हैं। चलने वाला मंजिल पाता, बैठा पीछे रहता हैं, ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल रहता हैं। पैर मिले हैं चलने को तो, पांव पसारे मत बैठो आगे-आगे चलना हैं तो, हिम्मत हारे मत बैठो।

अंतर्मन

आज की पाती

आतंक पर निर्णायक सख्ती जरूरी

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां आतंकवाद का स्वरूप बदलकर और भी जटिल और खतरनाक हो चुका है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में हाल की घटनाएं केवल हिंसक वारदातें नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि हमारी सुरक्षा संरचनाओं में अभी भी जितनी मजबूती और तत्परता होनी चाहिए, वह नहीं है। हर विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि यह प्रश्न भी है कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत क्या अपनी आंतरिक सुरक्षा को उसी गंभीरता से देख रहा है, जैसी दुनिया के विकसित राष्ट्र देखते हैं? अमेरिका ने 9/11 की भयावहता के बाद आतंकवाद को गंभीर खतरे के रूप में लिया। भारत को भी अब उसी स्तर की संवेदनशीलता और निर्णायकता की आवश्यकता है।

-प्रवीण साहू, बिलासपुर

ट्रेंड

युग का अंत

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वे एक प्रतिष्ठित फिल्मी हस्ती, एक अद्भुत अभिनेता थे जिन्होंने अपनी हर भूमिका में आकर्षण और गहराई भर दी। जिस तरह से उन्होंने विविध भूमिकाएं निभाईं, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रिश्ता और भी गहरा

कई अन्य लोगों की तरह, मुझे भी धर्मेंद्र जी से तुरंत लगाव हो गया, जिन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से हमारा मनोरंजन किया। जब मैं उनसे मिला तो पर्दे के पीछे का यह रिश्ता और भी गहरा हो गया। उनकी ऊर्जा अविश्वसनीय रूप से प्रभावशाली थी।

-सचिन तेंदुलकर, क्रिकेटर

जरूर याद आएगा

भारतीय सिनेमा की रोशनी आज मंद पड़ गई है। हम इस दुनिया में धर्मेंद्र जी को मिस करेंगे, लेकिन स्क्रीन पर उनकी चमक हमेशा कायम रहेगी। जब भी दोस्ती के फसाने कहे जाएंगे, 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' जरूर याद आएगा।

- गौतम अडाणी, उद्योगपति

उदार हृदय वाले

सबसे दयालु इंसान। धरमजी निस्संदेह भारतीय फिल्म उद्योग के सबसे स्नेही और दयालु व्यक्ति थे। वे अच्छाई की प्रतिमूर्ति थे। उन्हें हीमैन कहा जाता था, लेकिन वे सबसे कोमल और उदार हृदय वाले थे।

- अनुपम खेर, अभिनेता

करंट अफेयर

कनाडा नागरिकता कानून में जल्द करेगा संशोधन

कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। इस अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को शाही मंज़ूरी मिल गई है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है। कनाडा सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। समाचार विज्ञप्ति में कहा गया है, नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे। कनाडाई वंशानुक्रम से नागरिकता पर पहली-पीढ़ी की सीमा वर्ष 2009 में लागू की गई थी। इसका अर्थ है कि यदि कोई बच्चा कनाडा के बाहर पैदा हुआ या गोद लिया गया है, तो वह वंशानुक्रम से कनाडाई नागरिक नहीं माना जाएगा, यदि उसके कनाडाई माता-पिता भी कनाडा के बाहर ही पैदा हुए हों या गोद लिए गए हों।

ऑफ बीट

मातृत्व महिलाओं के खर्च करने का तरीका बदल देता हैं

हमें काफी लंबे समय से ये मालूम हैं कि मातृत्व के चलते महिलाओं को न केवल अपनी आय, पदोन्नति और करियर में तरक्की से हाथ धोना पड़ रहा है बल्कि वे खामोशी के साथ अपनी जमा पूंजी भी खर्च कर रही हैं, रोज़मर्रा के खर्चों का बोझ उठा रही हैं और वित्तीय त्याग भी कर रही हैं, जिससे उन्हें दीर्घकालिक नुकसान हो रहा है। महिलाओं की आय पर मातृत्व के प्रभाव के बारे में हम पहले से ही जानते हैं। स्टैटिस्टिक्स कनाडा द्वारा 2015 में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि पिता के प्रत्येक डॉलर के मुकाबले माताएं 85 सेंट कमाती हैं। अपने पहले बच्चे के जन्म के दस साल बाद भी, माताओं की कमाई बच्चों के बिना होने वाली कमाई से लगभग 34.3 प्रतिशत कम है। लेकिन हमारे अध्ययन से यह भी पता चलता है कि मातृत्व के साथ ही महिलाओं का धन के साथ संबंध बदल जाता है और बच्चे होने से उनके वित्तीय निर्णय और खर्च करने की आदतें बदल जाती हैं। अध्ययन में शामिल प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत वित्त पर चर्चा करते समय दो परस्पर विरोधी आख्यानों का वर्णन करती हैं। एक ओर, वे मातृत्व को वित्तीय परियोजना के रूप में देखती हैं जिसे उन्हें बजट और लागत-लाभ के दायरे में स्वतंत्र रूप से प्रबंधित करना होता है।

मौसम
अधिकतम तापमान 42.c
न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार
सोना 7,177/ g
चांदी 96/ g
सेंसेक्स 82,530.74
निफ्टी 25,062.10

फल और सब्जियों के उत्पादन सहित लगभग सभी बागवानी फसलों में बढ़ोतरीः शिवराज

नई दिल्ली,

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज वर्ष 2024-25 की बागवानी फसलों के क्षेत्रफल व उत्पादन के तृतीय अग्रिम अनुमान जारी किए।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही और हमारे किसान भाइयों-बहनों की मेहनत का सुफल परिलक्षित हो रहा है। बागवानी फसल क्षेत्रफल में 4 लाख हेक्टेयर की वृद्धि अनुमानित है, जो गत वर्ष के 290.86 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 294.88 लाख हेक्टेयर है। उत्पादन में 143.11 लाख टन की वृद्धि अनुमानित है, जो 3547.44 लाख टन से बढ़कर 3690.55 लाख टन अनुमानित है।

शिवराज सिंह ने कहा कि ये वृद्धि किसानों की कड़ी मेहनत, कृषि वैज्ञानिकों के प्रयास, प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई लाभकारी योजनाओं तथा किसान हितैषी नीतियों का सदुपरिणाम है, जिसमें बेहतर बीज, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और बाजार तक आसान पहुंच भी शामिल है।

प्रधानमंत्री, राज्यपाल प्रो. घोष, मुख्यमंत्री सैनी ने महाभारत अनुभव केंद्र का किया अवलोकन

प्रधानमंत्री मोदी ने गीता स्थली ज्योतिसर में पंचजन्य स्मारक का किया उद्घाटन

नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गीता स्थली ज्योतिसर, कुरुक्षेत्र में मंगलवार को महाभारत अनुभव केन्द्र परिसर में भगवान श्री कृष्ण जी के पवित्र शंख पंचजन्य पर आधारित पंचजन्य स्मारक का उद्घाटन किया। साथ ही, प्रधानमंत्री ने अनुभव केंद्र का अवलोकन भी किया। इस मौके पर हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि महाभारत के युद्ध में भगवान श्री कृष्ण ने न्याय और धर्म के साथ खड़े होकर दिव्य पंचजन्य शंख से ही शंखनाद किया था। उन्नत वैदिक शैली के वैदिका पर स्थापित स्वर्णिम शंख पवित्रता, साहस और धर्म की विजय का प्रतीक है। यह पंचजन्य भारत के सनातन संदेश धर्म और दिव्य ज्ञान की याद दिलाता है। इस पर श्रीमद्भगवद् गीता के 18 श्लोक अंकित किए गए हैं।

गुरु महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए और शीश नवाया

गुरु साहिब वीरता, करुणा और धर्म रक्षा की जीवंत मिसाल

गीता की पावन धरा को नमन किया

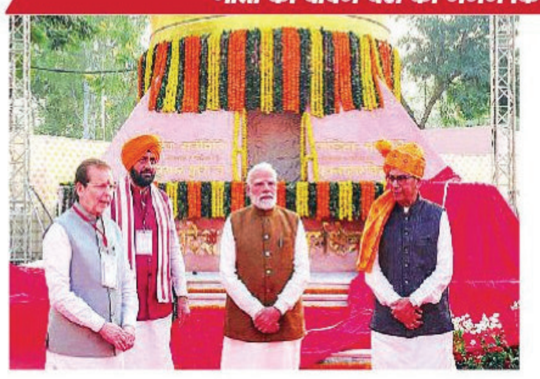

उद्घाटन उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने महाभारत अनुभव केंद्र का अवलोकन किया और गीता की पावन धरा को नमन किया। उन्होंने महाभारत अनुभव केंद्र में स्वागत कक्ष, महाकाव्य का सृजन कक्ष, प्राचीन महाभारत, कुरु वंशावली, द्रोपदी स्वयंवर, भगवान श्री कृष्ण का विराट स्वरूप, गीता श्लोक, कृष्ण भूमिका, कुरुक्षेत्र 48 कोस, दशव अवतार सहित अन्य कक्षों का भी अवलोकन किया।

पीएम ने मानवता की रक्षा के सर्वोच्च त्याग को किया नमन

इस दौरान मंच पर गुरबाणी का भावपूर्ण आयोजन किया गया, जिसमें रागियों ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, त्याग और बलिदान को समर्पित शबदों का सुंदर कीर्तन प्रस्तुत किया। इस पीएम ने गुरु तेग बहादुर के अद्वितीय बलिदान और मानवता की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च त्याग को नमन किया।

गुरु तेग बहादुर की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित विशेष कार्यक्रम में भाग लिया। गुरु तेग बहादुर की बहादुरी को समर्पित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान सीएम सैनी उनके साथ मौजूद रहे।

युवाओं में नशे की लत चिंतनीय

पीएम ने युवाओं के बीच बढ़ती नशे की लत को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को खोखला कर रहा है। इस समस्या का समाधान समाज के सामूहिक संकल्प से ही संभव है। पूरा समाज संकल्प ले।

ऑपरेशन सिंदूर का भी किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत शांति का पुजारी है, हम किसी से बैर नहीं रखते, लेकिन यदि कोई हमारी तरफ बुरी नजर डाले, हमारी संप्रभुता को चुनौती देतो हम मुंहतोड़ जवाब देना जानते हैं।

गुरु परंपराओं के पवित्र स्थलों को पहचान दिलाने का मिला मौका

पीएम मोदी ने कहा हमारी सरकार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमने पवित्र स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने और उन्हें सम्मान देने का अवसर मिला। मैं स्वयं को गर्व के साथ गुरु परंपराओं का एक छोटा सा हिस्सा मानता हूं।

मुगल शासकों ने मानवता पर कलंक छोड़ा

मुगल शासकों ने गुरु परिवार के साथ जो क्रूरता की, उसकी कोई मिसाल नहीं मिलती। चार साहिबजादों – जोरावर सिंह और फतेह सिंह जैसे नन्हें बालकों को जीवित दीवार में चिनवा दिया गया था। यह मानवता पर कलंक था। इन वीर साहिबजादों की शहादत को याद रखने के लिए हमने 26 दिसंबर को पूरे देश में "वीर बाल दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

वन कटान से होने वाले पर्यावरण नुकसान से किया खबरदार

जयराम रमेश का दावाः वनों की कटाई का विरोध कर रहे आदिवासी नेता रामू टेकाम को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,

मध्य प्रदेश के धीरौली क्षेत्र में प्रस्तावित कोयला खदान परियोजना को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। ग्रामीणों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और राजनीतिक दलों की आपत्तियों के बीच अब बड़े पैमाने पर जंगल कटाई शुरू होने का दावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर की है। उन्होंने बताया कि पेड़ों की कटाई रोकने गए मध्य प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष रामू टेकाम को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित निजी कंपनी के हितों की रक्षा कर रही मप्र सरकार विरोध की हर आवाज़ को दबाने की कोशिश कर रही है।

उल्लेखनीय है राज्य और केंद्र सरकारों से पहले भी शिकायतें उठाई जा चुकी थीं कि कंपनी ने पर्यावरणीय मंजूरी और वन अनुमति से जुड़े प्रक्रियागत नियमों को दरकिनार करते हुए कोयला खदान के लिए जंगल क्षेत्र को साफ करने की तैयारी की है। कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री जयराम रमेश ने भी इस मामले को कई बार उठाया है और अब उन्होंने ताज़ा घटनाक्रम को 'गंभीर पर्यावरणीय अपराध' बताया है। जयराम ने बताया, ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन ने जंगल क्षेत्र की ओर जाने वाले रास्तों पर पुलिस बल तैनात कर दिया है और स्थानीय निवासियों को जंगल क्षेत्र के पास आने से रोका जा रहा है। बाहरी लोगों का प्रवेश पूरी तरह बंद कर दिया गया है। कटाई स्थल को एक तरह से 'सील' कर दिया गया है। ग्रामीणों के अनुसार यह सब कुछ बिना किसी सार्वजनिक सूचना या ग्रामसभा की अनुमति के किया

विदित हो कि धीरौली और आसपास के क्षेत्रों में आदिवासी जनजातियाँ अपनी आजीविका के लिए जंगलों की लकड़ी, औषधीय पौधे, खाद्य सामग्री, छोटे वन उत्पादों पर निर्भर हैं। कोयला खदान परियोजना के कारण इन समुदायों के जीवन, आजीविका और सांस्कृतिक अस्तित्व पर बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े पैमाने पर जंगल कटान से स्थानीय पर्यावरण, जल स्रोत और जैव-विविधता को भी गंभीर नुकसान होगा।

डीएम की अध्यक्षता में शिक्षण संस्थानों की बैठक हुई आयोजित, छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत प्रगति की संस्थानवार की गई समीक्षा

संत कबीर नगर जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जनपद में संचालित समस्त महाविद्यालय, आई.टी.आई. एंव पालीटेक्निक संस्थानों के प्राचार्यों की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 में छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत पोर्टल पर छात्र/छात्राओं का डाटा अग्रसारित/निरस्त किये जाने हेतु संस्थानवार समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान संस्था स्तर पर डाटा अग्रसारित / निरस्त किये जाने हेतु हेतु संतोषजनक नही पायी गयी। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा समस्त संस्थाओं को कड़ी चेतावनी देते हेतु निर्देशित किया गया कि प्रत्येक दशा में दिनांक 30.11.2025 तक पोर्टल पर उपलब्ध पात्र छात्र/छात्राओं के डाटा को अग्रसारित करना सुनश्चित करें, यदि छात्र/छात्रा अपात्र है तो उनका डाटा निरस्त करें। संस्था के पोर्टल पर किसी भी प्रकार का डाटा लम्बित नही रहना चाहिए। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि जिन संस्थाओं के लापरवाही से कोई अर्ह छात्र/छात्रा छात्रवृत्ति से वंचित होते है तो संबंधित संस्था का उत्तरदायित्व निर्धारित कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि जिन संस्थानों द्वारा 30.11.2025 तक प्रगति 80 प्रतिशत से न्यून होगी उन संस्थाओं के प्राचार्यों का पुनः दिनांक 02.12.2025 को बैठक आहूत किया जायेगा।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मैं पुराना नाम पंकज तिवारी पिता/कमलेश्वर तिवारी अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम पंकज कुमार तिवारी पिता/कमलेश्वर तिवारी निवासी/पता. ह.न. 94लोक नायक जय प्रकाश वार्ड नंबर 30 ठनगनपारा अअंबिकापुर

रख लिया हूँ अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अदर्शासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया

नाम पंकज कुमार तिवारी पिता/कमलेश्वर तिवारी से जाना एवं पहचाना जाय।

शपथ कर्ता

ह.न. 94लोक नायक जय प्रकाश वार्ड नंबर 30 ठनगनपारा अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दुर्गा प्रसाद गुप्ता, अजय कुमार गुप्ता राकेश कुमार गुप्ता आ० स्व० रामसुन्दर साव निवासी ग्राम नया कुदर थाना पोस्ट बबौली थाना धौरपुर तहसील धौरपुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर 3 बौरीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 1806/22, 1807/14 रकबा रकबा क्रमशः 0.01, 0.03 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 65.6 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 65.6 वर्गमीटर, पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/12/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

शपथ पत्र

मैं जयसिंह आ० मानसाय उम्र 41वर्ष जाति कंवर निवासी ग्राम मोहनपुर थाना लखनपुर तहसील उदयपुर जिला सरगुजा छ०ग ० का निवासी हू मैं निम्न शपथपूर्वक कथन करता है कि मैं शपथ शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूँ। शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र का आधार कार्ड में उसका सन्देश उमेश सिंह आ० जयसिंह जन्म तिथि 01/01/2011 अंकित हो गया है। जबकि उसका सही नाम रमेश सिंह आ जयसिंह जन्म तिथि 25/06/2011 है। जो कि उसके कक्षा 5 वी के अंक सूची जन्म प्रमाण पत्र में भी अंकित है शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र के कक्षा 5 वी के अंक सूची के धार पर मेरे पुत्र का आधार कार्ड को सुधरवाने हेतु अपना शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक विनोद कुमार चौरसिया आ० स्व० ननकू प्रसाद चौरसिया निवासी मायापुर, अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की सीट नम्बर-3 मोहल्ला ब्रम्हरोड मुख्य मार्ग नगर अम्बिकापुर, स्थित नूजल प्लाट नम्बर 933/1, 934/1 रकबा कमशः 0.06, 0.04 हे० भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 12/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

वसई विरार मनपा की लापरवाही के कारण कलोरिंग सिलेंडर लीक होने से एक की मौत ,6 घायल

वसई । माणिकपुर पुलिस स्टेशन अंतर्गत वसई पश्चिम में दीवामान श्मशान भूमि के नजदीक वसई-विरार शहर मनपा के पानी टाकी में उपयोग किए जा रहे कलोरिंग का सिलेंडर शाम को 5 बजे एकायक लीक होने से आसपास मौजूद 10 से 15 लोग प्रभावित हुए, जबकि एक गंभीर रूप से घायल देव पारडीवाला की हॉस्पिटल ले जाते समय मौत हो गई। अग्निशमन दल विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुँचकर घायलों 6 लोगों को डिवाइन हॉस्पिटल और वसई गांव स्थित मनपा के सर डीएम पेटीट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक दुर्गा प्रसाद गुप्ता अजय कुमार गुप्ता, राकेश कुमार गुप्ता तीनो आ० स्व० रामसुन्दर साव जाति हलवाई निवासी ग्राम नया कुदर पो० बबौली थाना धौरपुर तहसील धौरपुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्य की सीट नम्बर 3 मोहल्ला पाण्डेयपुरा नगर अम्बिकापुर स्थित नूजल प्लाट नम्बर 1806/22, 1807/14 रकबा कमशः 0.01, 0.03 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 15/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सेवानिवृत्त शिक्षकों की बैठक संपन्न, एसआईआर में करेंगे सहयोग

सलोन, रायबरेली उत्तर प्रदेशीय सेवानिवृत्त शिक्षक कल्याण परिषद की बैठक प्राङ्ग विङ्ग सलोन में मोहम्मद जहदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस अवसर पर संगठन के मंत्री मोहम्मद अयूब खान ने नोशनल इंक्रीमेंट के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि शीघ्र ही धन पात्र शिक्षकों के खातों में प्रेषित होगा जगदीश प्रसाद साहू कोषाध्यक्ष ने अवगत कराया कि 2023-24 में सेवानिवृत्त शिक्षकों के बीमा देयक अवशेष हैं लेखा कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त करें बड़े ही रोचक ढंग से पूर्व शिक्षक फैज मोहम्मद ने निर्वाचन से संबंधित एस आई आर के फॉर्म भरने का तरीका समझाया जिला मीडिया प्रभारी मोहम्मद इस्माइल खान ने सभी सेवानिवृत शिक्षक साथियों से अनुरोध किया

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०//अ-/-6/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मुर्ति देवी पत्नी सुरेश चन्द्र उम्र-63 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी रोड़ पारा मोरगा तह मोरगा मोरगा जिला कोरबा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक अंकुश अग्रवाल आठ सुभाषचन्द्र अग्रवाल, उम्र 35 वर्ष जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम व डाडगाव तह० उदयपुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के स्वामित्व व आधिपत्य की शीट न. 09. मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल पलीट नं. 3467/4866/68 रकबा 1272.29 वर्ग फिट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 03.12.2024 के माध्यम से कय किया गया है। अत उका पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उका नजूल भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति गय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 100, 110 छ.ग भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अत उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या सस्था को कोई दावा अक्रया आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम दिनांक 12/12 /2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सरिता अग्रवाल पत्नी अभय अग्रवाल आय लगभग 65 वर्ष निवासी बंगला नम्बर 3-155 स्वर्ण भूमि विधानसभा रोड आमासिवनी रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ०ग० द्वारा मुख्तारआम अंकित अपवाल आ० अभय कुमार अग्रवाल आयु लगभग 29 वर्ष निवासी बंगला नम्बर-3-155 स्वर्ण भूमि विधानसभा रोड आमासिवनी रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला जूनागददीपारा अम्बिकापुर नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 8 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2917/19, 2918/4, 2918/15 रकबा क्रमशः 0.016, 0.016, 0.016 हे० भूमि को रुपए-24,00,000-00 अनावेदक/क्रेता रवि कुमार अग्रवाल आ० गुलाब अग्रवाल आयु लगभग 39 वर्ष निवासी प्रभू मिल के पास जयस्तम चौक अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

छग के सीएम साय रेलमंत्री से मिले

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में रेल सुविधाओं के विस्तार, नए रेल प्रोजेक्ट्स के संचालन और चल रहे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

गुरुवर्य शिक्षा-महर्षि स्व. प. म. राऊत सर को मरणोपरांत जीवनगौरव पुरस्कार

शैक्षणिक कार्य का भव्य समारोह में सम्मान

मुंबईःशिक्षा क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले गुरुवर्य शिक्षा-महर्षि स्व.प. म. राऊत सर को मरणोपरांत जीवनगौरव पुरस्कार प्रदान कर उनके छे दशकों से अधिक के विलक्षण शैक्षणिक कार्य का सम्मान किया गया। यह भव्य समारोह शनिवार को मुंबई के रवींद्र नाट्य मंदिर में बड़े उत्साह और भावनात्मक वातावरण में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह का सफल संयोजन मुंबई शहर शिक्षक विकास मंडल की ओर से किया गया, जिसका दायित्व कार्यकारिणी सदस्य प्रा. डॉ. विशाल कडणे ने अत्यंत उत्कृष्ट रूप से निभाया। समारोह में कई प्रतिष्ठित एवं नामचीन हस्तियां उपस्थित रहीं। विधायक अमित साटम, महाराष्ट्र भूषण पद्मश्री व वरिष्ठ अभिनेता अशोक सराफ, प्रसिद्ध संगीतकार अनु मलिक, नवोदित अभिनेता अभिनय लक्ष्मीकांत बेर्डे तथा सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पवन त्रिपाठी ने उपस्थित रहकर राऊत के अद्वितीय शैक्षणिक योगदान को कृतज्ञता के साथ नमन किया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को विधायक अमित साटम और अभिनेता अशोक सराफ के हस्ते प्रदान किया गया। संस्था की ओर से वरिष्ठ विश्वस्त माधवी नांदोस्कर और सचिव डॉ. विनय राऊत ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस दौरान सभागृह भावनाओं से द्रवित हुआ और उपस्थित जनों की आंखों में गर्व व सम्मान की चमक दिखाई दी। गुरुवर्य राऊत सर ने महामुंबई शिक्षा संस्थान संघटन की स्थापना कर मुंबई के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को एकजुट कर उन्हें मजबूत संगठनात्मक शक्ति प्रदान करने का अतुलनीय कार्य किया। शिक्षा को समाज परिवर्तन का हथियार मानने वाली उनकी विचारधारा और दूरदर्शी नेतृत्व का सभागृह में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति ने खड़े होकर उत्स्फूर्त अभिवादन किया।

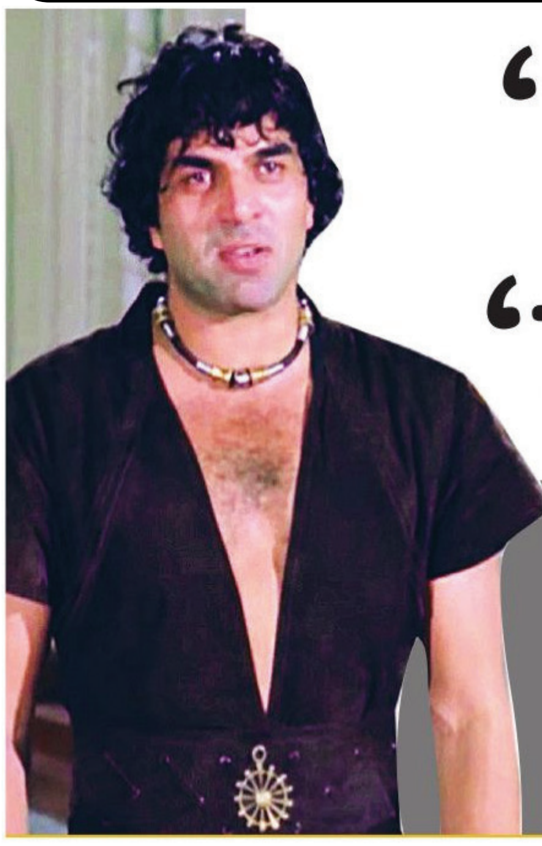

‘रील’ से ‘रियल’ तक ‘ही-मैन’ ही रहे धर्मेंद्र

‘रील से रियल’ तक ‘ही-मैन’ रहे धर्म पाजी यानी अभिनेता धर्मेंद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। 8 दिसंबर 1935 को पंजाब के नसराली गांव में जन्में धर्मेंद्र ने जब दिलीप कुमार की फिल्म शहीद देखी तो बेचैन हो उठे। उन्होंने सिनेमा हॉल से बाहर निकलते ही मन ही मन ठान लिया कि अब उन्हें दिलीप कुमार जैसा ही बनना है। इसी संकल्प के साथ धर्मेंद्र ने अपना कॅरियर शुरु किया फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। कामायाबी ऐसी मिली की कोई उन्हें, ही-मैन कहने लगा तो कोई धर्म पाजी। जैसे-जैसे फिल्में हिट होती गईं वैसे-वैसे धर्मेंद्र के उप नाम भी बढ़ते गए। कुल मिलाकर 6 दशक में 300 फिल्में और करीब दो दर्जन बड़े अवार्ड उनके खाते में आ गए। इस बीच उन्होंने पूरे देश को हंसाया, गुदगुदाया और एक बेहतरीन कलाकार को गढ़कर सबके चहते बन गए। ये सफर कब पूरा हो गया किसी को पता ही नहीं चला। अब सिर्फ उनकी यादें हैं और आंखों में आंसू के सिवाए कुछ नहीं है। धर्मेंद्र से जुड़ीं कुछ यादें ‘हरिभूमि’अपने पाठकों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

1 200 रुपए के लिए गैराज में करते थे काम

जब धर्मेंद्र फिल्मों में काम करने की चाह लिए मुंबई पहुंचे तो उस वक्त गुजारा करने के लिए न उनकी जेब में पैसे थे और उनके पास रहने के लिए कोई ठिया था। अपना गुजारा करने के लिए वो एक गैराज में काम करते थे। वहां काम करने के लिए उन्हें 200 रुपए मिलते थे। इतने पैसों में उनका गुजारा नहीं हो पाता था, इसलिए वो ओवरटाइम भी करते थे और फिर रात में गैराज में ही सो जाते थे। जब दिल भी तेरा हम भी तेरे फिल्म के जरिए उन्हें बॉलीवुड में पहला ब्रेक मिला तो उन्हें ऐसी उम्मीद थी कि उन्हें इस पिक्चर के लिए कम से कम 5 हजार रुपए मिलेंगे। हालांकि, उन्हें सिर्फ 51 रुपए मिले थे, वो भी तीन लोगों ने मिलकर 17-17 करके उन्हें 51 रुपए दिए थे। ये फीस भले ही कम थी, लेकिन धर्मेंद्र उस 51 रुपए को काफी लकी मानते थे। कुछ साल पहले धर्मेंद्र एक सिंगिंग रियलिटी शो पर पहुंचे थे, उस वक्त एक्टर ने स्ट्रगल को लेकर बात की थी।

2 जब मां ने ये कहा रोज पीया करो बेटा

धर्मेंद्र सोने से पहले हमेशा अपनी मां सतवंत कौर के पैर दबाया करते थे। धर्मेंद्र तब तक पैर दबाते थे, जब तक मां उन्हें सोने को नहीं कहतीं। एक दिन धर्मेंद्र शराब पीकर आए और अपनी मां के पैर दबाने लगे। मां की नींद लग गई और उन्होंने धर्मेंद्र से रुकने को ही नहीं कहा। वो रात भर मां के पैर दबाते ही रहे। जब मां की नींद खुली तो

उन्होंने कहा, बेटा, शराब पीकर इतने अच्छे पैर दबाते हो, रोज पीया करो। ये किस्सा खुद धर्मेंद्र ने सारेगामापा शो में सुनाया था। इसी तरह एक किस्सा और है जब 1971 में ऋषिकेश मुखर्जी फिल्म ‘आनंद’ प्लान कर रहे थे तो सबसे पहले उन्होंने इसकी कहानी बेंगलुरु से मुंबई फ्लाइट के दौरान धर्मेंद्र को सुनाई थी। धर्मेंद्र बड़े खुश हुए। उन्हें गलतफहमी हुई कि ऋषिकेश दा शायद उन्हें ही फिल्म में लेंगे। कुछ दिनों बाद अखबार में खबर छपी कि फिल्म के हीरो राजेश खन्ना होंगे। धर्मेंद्र ने जमकर शराब पी और फिर देर रात ऋषिकेश दा को कॉल किया और कहा कि आप मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं, ऋषि दा... ऋषिकेश उन्हें शांति से समझाते रहे और कहते रहे कि धरम हम सुबह बात करेंगे, लेकिन धर्मेंद्र थे कि लगातार अपनी बात दोहराए जा रहे थे। ऐसा करते-करते उन्होंने रातभर ऋषिकेश दा को परेशान किया। इसके बावजूद ऋषिकेश मुखर्जी और धर्मेंद्र की दोस्ती बरकरार रही।

3 हेमा के साथ सीन के लिए दिए थे 2 हजार

रमेश सिप्पी शोले फिल्म के दूसरे हीरो के लिए एक ऐसे एक्टर की तलाश में थे, जो ज्यादा पॉपुलर न हो। ऐसे में धर्मेंद्र ने ही अमिताभ के नाम का सुझाव दिया। धर्मेंद्र इस फिल्म में वीरू की जगह ठाकुर का रोल निभाने में अड़े हुए थे, लेकिन संजीव कुमार को पहले ही कास्ट कर चुके रमेश सिप्पी उन्हे बदलने के पक्ष में नहीं थे। जब धर्मेंद्र ने जिद नहीं छोड़ी तो रमेश ने उन्हें समझाया कि अगर वो ठाकुर बने तो उन्हें हेमा के साथ कम सीन मिलेंगे, लेकिन अगर वीरू बने तो उन्हें बसंती बनीं हेमा के साथ रोमांस करने का मौका मिलेगा। इस बात को सुनकर धर्मेंद्र मान गए। धर्मेंद्र हेमा को इस कदर पसंद करते थे कि जब बसंती को गन चलाना सिखाने वाला सीन शूट हो रहा था। धर्मेंद्र ने स्पॉटबॉय को 2000 रुपए दिए, जिससे बार-बार सीन खराब हो और रीटेक करना पड़े। स्पॉटबॉय ने रिश्वत लेकर बार-बार सीन दोहराने में धर्मेंद्र की मदद की और धर्मेंद्र बार-बार हेमा के नजदीक जाते रहे। बाद में 1980 में हेमा मालिनी से शादी की।

4 शशि कपूर अपने घर लेकर गए थे और भरपेट खाना खिलाया

वैसे तो अभिनेता धर्मेंद्र को लेकर कई किस्से है लेकिन जो सर्वाधिक चर्चा में रहे है उनमें एक किस्सा धर्मेंद्र का शुरुआती एक्टिंग करियर संघर्ष से भरा था। उन्होंने कई रातें चने खाकर रेलवे स्टेशन पर गुजारी थीं। वह रोल पाने के लिए प्रोड्यूसर्स के यहां मीलों पैदल चलकर जाते थे, जिससे कुछ पैसे बचा सकें और वह खाना खा सकें। एक बार शशि कपूर उन्हें अपने घर लेकर गए थे और भरपेट खाना खिलाया था। इसके अलावा धर्मेंद्र और दिलीप कुमार का रिश्ता भी बड़ा खास था। धर्मेंद्र दिलीप साहब को अपना बड़ा भाई मानते थे। वह जब भी दिलीप कुमार से मिलते तो उनके पैरों के पास बैठते थे। वक्त-वक्त पर वह दिलीप कुमार से मिलने उनके घर जाया करते थे। धर्मेंद्र का नाम एक वक्त में मीना कुमारी के साथ भी जोड़ा गया। मीना कुमारी को शायरी का शौक था। कहा जाता है कि मीना कुमारी की संगत में रहकर ही धर्मेंद्र को भी शायरी का शौक हुआ। इसी तरह गोविंदा जब फिल्मों में हिट हुए थे तो कुछ गुंडे लोगों ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। ऐसे में गोविंदा ने धर्मेंद्र से मदद मांगी थी। तब धर्मेंद्र ने ऐलान किया था कि वह गोविंदा की मदद करेंगे। इसके बाद गोविंदा को किसी ने परेशान नहीं किया। धर्मेंद्र अपनी एक्शन फिल्मों के लिए दर्शकों के बीच मशहूर थे। वह फिल्मों में अपने एक्शन सीन्स खुद किया करते थे। कभी भी धर्मेंद ने बॉडी डबल की मदद एक्शन सीन्स के लिए नहीं ली। एक फिल्म में धर्मेंद्र ने असल में चीते से लड़ाई लड़ी थी।

5 मुझे लगता सनी मेरे पास बैठे, पर मैं भी अपने पापा के पास नहीं बैठता था

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि उनके मां-बाप उनके वक्त के लिए तरसते रहे, और आज वही कमी उन्हें खुद भी महसूस होती है। अभिनेता ने कहा था कि पेरेंटस और बच्चों के बीच दोस्ती का रश्ता होना चाहिए। बॉलीवुड-बॉलीवुड को दिए एक पुराने इंटरव्यू में अभिनेता धर्मेंद्र से पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि उनके ऊपर उनके पिता की छाप है, क्योंकि वे खुद भी एक सख्त पिता माने जाते हैं। इस सवाल पर धर्मेंद्र मुस्कराते हुए कहते हैं, ‘हां, यह बात सही है। सनी बाबू भी मुझसे डरता है। मुझे हमेशा लगता है कि वो मेरे पास बैठे, मुझसे बातें करे, आज सोचता हूं कि काश मेरे बाबूजी मेरे दोस्त होते, दोस्ती होना बहुत जरूरी है। मैं बहुत मिस करता हूं और वे लोग कभी मेरे साथ बैठते नहीं है। वो इंटरव्यू में आगे बताते हैं, सनी आता है और बस इतना कहता है-

पापा, मैं शूटिंग पर जा रहा हूं। ऐसे ही मैं करता था। मुझे अपने पिताजी याद आते हैं। वो उस वक्त अपनी छड़ी लेकर बैठे रहते थे और कुछ सोचते रहते थे। जब मैं पूछता था, क्या सोच रहे हैं बाबूजी?’ तो वो कहते थे, जल्दी आ जाया करो शूटिंग से। मैं उन्हें गले लगाकर निकल जाता था। शाम को जब लौटता था तो मां ठुड्डी पर हाथ रखे बैठी रहती थीं, जब उनसे पूछो कि क्या हुआ, तो भी वही जवाब देती थी। आज महसूस होता है कि हमारे मां-बाप भी हमारा साथ चाहते थे। वो चाहते थे कि हम उन्हें वही प्यार, वही लाड़-दुलार दें, जो उन्होंने हमें बचपन में दिया था। आज वो बात समझ आती है। आज, वही कमी सबसे ज्यादा महसूस होती है।

कुछ इस तरह का सफर रहा धर्मेंद्र का

जन्म: 8 दिसंबर 1935

मृत्यु: 24 नवंबर 2025

परिवार: पूरा नाम धरम सिंह देओल है। उनके पिता केवल किशन सिंह देओल एक स्कूल शिक्षक थे।

शिक्षा: स्कूली शिक्षा फगवाड़ा के लालटन कलां से पूरी की और पंजाब यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

फिल्मों में आने का कारण: फिल्मफेयर मैगजीन के एक टैलेंट हंट प्रतियोगिता के विजेता बनने के बाद, उन्होंने अभिनय की चाहत में मुंबई का रुख किया।

करियर : धर्मेंद्र ने 1960 में 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

सफलता: 1966 की फिल्म 'फूल और पत्थर' ने उन्हें एक एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया।

अभिनय: फिल्मों में एक्शन और रोमानी दोनों तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन उनकी 'सत्यकाम' और 'शोले' जैसी फिल्मों में उनके काम को काफी सराहा गया है।

ही-मैन: बॉलीवुड के ही-मैन के रूप में जाना जाता है और उन्होंने अपने पांच दशक से अधिक लंबे करियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया है।

कुल फिल्में
300
हिट फिल्में
74
ब्लॉकबस्टर
07
सुपरहिट
13

ही मैन का निजी जीवन

पहली शादी: धर्मेंद्र की पहली शादी प्रकाश कौर से हुई थी, जिनसे उनके चार बच्चे हैं: सनी देओल, बॉबी देओल, विजेता और अजिता।

दूसरी शादी: अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां हैं: ईशा देओल और अहाना देओल।

राजनीति: धर्मेंद्र ने राजनीति में भी कदम रखा और भाजपा के सदस्य के रूप में 2004 में राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद चुने गए।

ढेरों पुरस्कार और पद्म भूषण से भी सम्मानित

- धर्मेंद्र ने फिल्मों में सिर्फ एक्टिंग की नहीं की, बल्कि वह प्रोड्यूसर भी रहे हैं। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें 2012 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता और फिल्मफेयर के लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के अलावा करीब दो दर्जन सम्मान उन्हे मिले हैं। जिसमें ये प्रमुख हैं।
- साल 2012 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

- धर्मेंद्र की प्रोड्यूस फिल्म ‘घायल’ को साल 1990 में बेस्ट पॉपुलर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला था। इस फिल्म में उनके बेटे सनी देओल ने लीड रोल किया था।
- धर्मेंद्र को साल 1997 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट्स अवॉर्ड मिला था। वहीं 1991 में उनकी प्रोड्यूस फिल्म घायल को बेस्ट फिल्म का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था।

मेहनत से कमाई... करीब 5.35 अरब की संपत्ति

धर्मेंद्र की संपत्ति और नेट वर्थ की बात करें, तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह 500 से 535 करोड़ रुपए (5.35 अरब) के आसपास बताई जाती है। यह अथाह संपत्ति उन्होंने फिल्मों में एक्टिंग के अलावा प्रोडक्शन, ब्रांड एंडोर्समेंट्स और इनवेस्टमेंट से जुटाई। धर्मेंद्र खास पढ़े-लिखे नहीं हैं, पर इसने कभी भी उनकी सफलता की राह में रोड़े नहीं अटकाए। धर्मेंद्र ने अपनी कड़ी मेहनत से हर मुश्किल को आसान बना लिया। धर्मेंद्र अब काफी समय से महाराष्ट्र के लोनावला स्थित अपने फार्महाउस पर रह रहे हैं। इसमें स्वीमिंग पूल समेत सारी लग्जरी सुविधाएं हैं। यहां धर्मेंद्र खेती भी करते हैं और काफी स्टाफ भी

रखा हुआ है। धर्मेंद्र वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करते रहते थे। उनके इस फार्महाउस की कीमत 120 करोड़ रुपए बताई जाती है। धर्मेंद्र के पास दो घर भी हैं, जिनमें से एक 20 करोड़ तो दूसरा 48 करोड़ रुपए के आसपास है। रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मेंद्र के पास 17 करोड़ रुपए की और भी संपत्ति है, जो महाराष्ट्र में ही है। 1 करोड़ 55 लाख रुपए की खेती की जमीन है, जिस पर धर्मेंद्र का रिजॉर्ट बनाने का प्लान था। धर्मेंद्र के पास कई लग्जरी गाड़ियां भी हैं, जिनमें 1960 में खरीदी उनकी फिएट से लेकर विंटेज फिएट और मर्सिडीज बेंज तक, शामिल हैं।

धरम पाजी की वो फिल्में... जिनके किरदारों ने उन्हे बुलंदियों तक पहुंचाया

सत्यकाम : 1969, गंभीर मुद्रा में भी माहिर

फूल और पत्थर : 1966, इसी फिल्म से बने थे ही-मैन

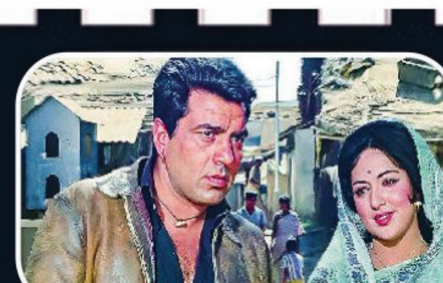

सीता और गीता : 1972, जैसी भूमिका वैसे एक्प्रेशन

मेरा गांव मेरा देश : 1971, सुपर हिट, धर्मेंद्र को सराहा गया

शोले : 1975, बसंती इन कुत्तों के सामने मत नाचना : हिट डायलॉग

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में बढ़ रही उत्साहपूर्ण भागीदारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सूरजपुर जिले में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत 15 वर्ष से अधिक आयु के साक्षर शिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। जिले के विभिन्न ग्रामों के पारा, टोला और मोहल्लों में स्थापित साक्षरता केंद्रों में शिक्षार्थी हंसी-खुशी और उत्साहपूर्ण माहौल में नवभारत उल्लास प्रवेशिका का अध्ययन कर रहे हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक क्षेत्र में स्थानीय स्वयंसेवकों का चयन किया गया है, जो सरगुजिया बोली के साथ-साथ हिंदी भाषा में पढ़ना, लिखना, बोलना तथा अंक ज्ञान से संबंधित आवश्यक शिक्षण प्रदान कर रहे हैं। स्वयंसेवक शिक्षार्थियों को उल्लास अभ्यास पुस्तिका में लिखने का अभ्यास भी करवा रहे हैं, जिससे शिक्षा का स्तर बेहतर हो रहा है और सीखने में रुचि बढ़ रही है।

कार्यक्रम का उद्देश्य वयस्कों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। पूरे जिले में इस अभियान के प्रति लोगों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है तथा बड़ी संख्या में लोग स्वयं आगे आकर भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। साक्षरता मिशन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ग्रामों में मुनादी तथा प्रचार-प्रसार निरंतर किया जा रहा है।

संविधान दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि लंबे और कठिन सफर की याद है : जयवर्धन

कलेक्ट्रेट एवं जिला पंचायत में हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्टर एस.जयवर्धन व जिला स्तरीय अधिकारी व कर्मचारियों की उपस्थिति में संयुक्त जिला कार्यालय के प्रांगण में भारतीय संविधान के प्रस्तावना का वाचन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने भारतीय संविधान की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संविधान दिवस क्यों मनाया जाता है और इसका महत्व क्या है। इसके साथ ही कहा कि 26 नवंबर को मनाया जाने वाला संविधान दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि उस लंबे और कठिन सफर की याद है, जब देश के हित में दूरदर्शी महान व्यक्तित्वों ने मिलकर भारत का संविधान तैयार किया - एक ऐसा दस्तावेज जो आज भी करोड़ों लोगों के जीवन का मार्गदर्शन करता है।

मौलिक कर्तव्यों एवं अधिकारो की दी गई विस्तृत जानकारी

बुधवार को जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैंकरा, उपाध्यक्ष श्रीमति रेखा राजवाड़े, सदस्यो व अन्य जनप्रतिनिधि के उपस्थिति में संविधान दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर के प्रतिमा के समक्ष दीप-प्रज्जवलन, माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम में भारतीय संविधान के बारे में विस्तृत चर्चा किया गया। लोक अभियोजन अधिकारी राजेश सिंह के द्वारा विभिन्न मौलिक कर्तव्यों एवं मौलिक अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसी प्रकार उप संचालक पंचायत विक्रम बहादुर के द्वारा संविधान निर्माण के संबंध में जानकारी देते हुए उपस्थितो को बधाई और शुभकामनाएँ दी गई। इसी बीच सभी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार से लाइव वीडियो का प्रदर्शन कराया गया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन, राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ लिये। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन शशि सिन्हा जिला परियोजना प्रबंधक जिला पंचायत के द्वारा किया गया तथा सभी जनप्रतिनिधि के साथ कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारी बहुतायत मात्रा में उपस्थित होकर कार्यक्रम सफल बनाने में सहयोग प्रदान किये।

डिजिटाइजेशन पूर्ण करने वाले बीएलओ हुए सम्मानित

संविधान दिवस पर भटगांव तहसील में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को भटगांव तहसीलदार द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण कार्य के अंतर्गत एसआईआर में 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को भी तहसीलदार भटगांव द्वारा सम्मानित किया गया।

ओड़गी महाविद्यालय में महिला के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन कार्यक्रम

जिले के शासकीय महाविद्यालय ओड़गी में छात्र छात्राओं को महिला के विरुद्ध हिंसा उन्मुलन का अंतराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला दण्हाधिकारी एस. जयवर्धन के आदेशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को सफल बनाने हेतु प्रत्येक व्यक्ति में महिला के प्रति सम्मान की भावना लाने हेतु सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने की बात कही गई साथ में कन्या भ्रूण हत्या निषेध अधिनियम घरेलू हिंसा अधिनियम शक्तिमान स्टाफ सेंटर बाल विवाह गुड टच बेड टच महिला हेल्पलाइन नंबर 181 चाइल्डलाइन नंबर 1098, 112 की जानकारी दी गई ब्रॉसर वितरण का कार्य किया गया, बाल विवाह की रोकथाम हेतु शपथ दिलाया गया एवं कार्यक्रम उपरांत रैली निकाली गई।

अवैध धान भंडारण बिहारपुर में की गई कार्रवाई, 18 बोरी धान जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अवंतिकापुर में अवैध धान संग्रहण पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई की गई है। संदिग्ध गतिविधियों पर टीम ने मौके पर पहुंचकर राममिलन सिंह से 18 बोरी धान और जिस भूमि पर इसे संग्रहीत किया जा रहा था, उससे संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया जिसे राममिलन सिंह द्वारा धान के स्वामित्व या भूमि के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखाया जा सका। इसके फलस्वरूप समस्त 18 बोरी धान को तत्काल प्रभाव से जब्त कर लिया गया है और मामले की गहन जांच और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई अवैध भंडारण, परिवहन और सरकारी खरीद नियमों के उल्लंघन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध कृषि उत्पाद के कारोबार या संग्रहण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

बिहारपुर चांदनी क्षेत्र में ग्रामीणों ने पकड़ा लकड़ी लोड ट्रक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर-चांदनी। क्षेत्र में लकड़ी तस्करी लगातार बढ़ती जा रही है। खैर लकड़ी से भरा एक ट्रक मंगलवार को उस समय पकड़ में आया जब जागरूक ग्रामीणों ने उसे संदेहास्पद स्थिति में रोककर पूछताछ की। ट्रक में लकड़ी परिवहन के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला, जबकि ग्रामीणों के अनुसार इसे सतना भेजा जा रहा था। घटना की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग, पुलिस और राजस्व अमले को दी। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभागों द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं की जा रही है और तस्करों को संरक्षण मिलता दिखाई दे रहा है। इससे जंगल तेजी से खाली होते जा रहे हैं और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि तस्करों के साथ मौजूद उनके गुर्गे उन्हें धमकाने का भी प्रयास कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस मामले में रेंजर मेवालाल पटेल ने बताया कि खैर लकड़ी कटाई की अनुमति एसडीएम कार्यालय में प्राप्त की गई है और लकड़ी निजी पट्टे की भूमि पर काटी गई है। शिकायत के आधार पर लकड़ी से भरा ट्रक विभाग द्वारा ज़ब्त कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देश के अनुसार की जाएगी। रेंजर के अनुसार लकड़ी परिवहन की अंतिम अनुमति अभी जारी नहीं हुई है। वहीं ठेकेदार का कहना है कि कटाई स्थल से चोरी की आशंका थी, इसलिए लकड़ी को केवल दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जा रहा था, इसका परिवहन नहीं किया जा रहा था।

घटना के बाद क्षेत्र में माहौल गर्म है और ग्रामीण उम्मीद कर रहे हैं कि विभाग इस बार तस्करी पर ठोस और कठोर कार्रवाई करेगा।

जिले के नवगई और कोल्हूआ में धान के गवांड में लगी आग

किसानों के पसीने की कमाई जलकर हुई खाख

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के दूरस्थ अंचल चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में मंगलवार की रात दो अलग अलग स्थानों में धान के गवाड़ में आग लग जाने से किसानों के मेहनत की फसल जलकर खाख हो गई है।

जिससे किसानों को करीब लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

पहली घटना ग्राम नवगई में हुई है। बताया गया है कि यहां के थानागडहा पारा में रात के समय बिजली का तार अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ा। चिंगारी सीधे धान के गवाड़ पर जा गिरी, जिससे देखते ही देखते आग भड़क उठी। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक हजारों का धान जलकर राख हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही किसान रामाऊग्रर जायसवाल समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे तब तक उनके पसीने की कमाई खाक हो चुकी थी। दूसरी घटना ग्राम पंचायत कोल्हूआ में हुई है। जहां ग्रामीण बीते रात्रि आग तापकर चले गए थे। सुबह जब लोग खेतों की ओर गए तो देखा कि धान के पैरावत के ढेर जल चुके हैं और धुएँ का गुब्बार आसमान में उठ रहा था। आशंका जताई जा रही है कि आग की चिंगारी उड़कर पैरावत तक पहुंच गई, जिससे हजारों का धान जल गया। घटनाओं से क्षेत्र के किसानों में भय और चिंता का माहौल है। दोनों किसानों का मिलाकर लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग और प्रशासन से तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को दिया गया जीएसटी, टीडीएस पर प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शासकीय विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को जीएसटी-टीडीएस कटौती के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर रमेश मोर, जीएसटी सहायक आयुक्त भूपेंद्र व कार्यालय प्रमुख व कार्यालयों के आहरण एवं संवितरण अधिकारी और अन्य संबंधित मौजूद रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि केन्द्रीय एवं राज्य माल और सेवा कर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार विभागों द्वारा की जाने वाली सामग्री खरीदी एवं सेवा प्राप्ति पर प्रदायकर्ताओं तथा ठेकेदारों को किए जाने वाले भुगतान पर स्त्रोत पर कर की कटौती का प्रावधान है।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर बच्चों को बताया गया दूध का महत्व

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रतिवर्ष 26 नवंबर को श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज़ कुरियन की स्मृति में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। उनके महत्वपूर्ण योगदान और देश के डेयरी पशुपालकों की मेहनत से भारत आज विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल है।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के उपलक्ष्य में आज पशुधन विकास विभाग, जिला सूरजपुर द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से पंचमंदिर वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को होमोज़नाइज्ड दूध, दूध से निर्मित बिस्किट और चॉकलेट वितरित किए गए तथा दूध के पोषण और स्वास्थ्य संबंधी महत्व के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि दूध शरीर के विकास, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और बच्चों की हड्डियाँ मजबूत करने में अत्यंत उपयोगी है।

वृद्धा निरासी को आज तक नहीं मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सरकार की योजनाएँ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के दावे की हकीकत कुछ और बयां कर रही है। पनीका समाज की लगभग 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला निरासी पनिका, सलकहीन राशनकार्ड, आधार कार्ड और वृद्धा पेंशन से वंचित हैं। निरासी चलने-फिरने में असमर्थ हैं और लाठी का सहारा लेकर किसी तरह अपना जीवन काट रही हैं। सुनने की क्षमता भी काफी कम है। मजबूरी में महिला भीख मांगकर गुज़ारा कर रही है। निरासी पहले मतदान भी कर चुकी हैं, लेकिन आज उनके किसी भी सरकारी दस्तावेज की व्यवस्था नहीं है। जिस कच्चे मकान में वह रहती थीं, वह अब पूरी तरह गिर चुका है, और महिला खुले में जीवन यापन कर रही है। बुजुर्ग निरासी बताती हैं कि उन्हें किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलता, न ही कोई सहायता। केवल दो-चार किलो चावल मिलने की ही उम्मीद रहती है। निरासी की शादी उत्तर प्रदेश के चोपन में हुई थी। पति की मृत्यु के बाद वह पिछले 20 साल से अधिक समय से महुली में निवास कर रही हैं। अब सवाल यह है कि इतनी वृद्ध और बेसहारा महिला के मामले में प्रशासन कब ध्यान देगा और उन्हें बुनियादी सुविधाएँ कब मिलेंगी।

भारतीय संविधान की प्रस्तावना केवल शब्द नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र का सार : न्यायाधीश

जिला न्यायालय परिसर में संविधान की प्रस्तावना का किया सामूहिक वाचन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में संविधान दिवस पर बुधवार को विधिक सेवा प्राधिकरण और न्यायिक विभाग की पहल पर शिक्षण संस्थानों में वृहद कानूनी जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नवीन कन्या महाविद्यालय और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गिरवरगंज में आयोजित इन कार्यक्रमों में न केवल संविधान के महत्व को समझाया गया, बल्कि युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में उनकीभूमिका के प्रति जागरूक भी किया गया। यह संपूर्ण आयोजन अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर के कुशल नेतृत्व और सक्रिय मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

महाविद्यालय में संविधान की प्रस्तावना और कर्तव्यों पर मंथन

महाविद्यालय और नवीन कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मानवेंद्र सिंह और द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुमित कुमार हर्षयाना ने की। इस दौरान मंच पर व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी हिमांशु पंडा और डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल राजेंद्र प्रसाद पाठक आसीन रहे।

मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश मानवेंद्र सिंह ने संविधान दिवस की बधाई दी। उन्होंने महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना केवल शब्द नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र का सार है। वर्तमान समय में देखा जाता है कि लोग अपने मौलिक अधिकारों के प्रति तो बहुत मुखर रहते हैं, लेकिन संविधान में वर्णित %मूल कर्तव्यों% को भूल जाते हैं। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमें अपने कर्तव्यों के प्रति भी उतना ही सजग और ईमानदार रहना चाहिए, जितना हम अधिकारों के लिए रहते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायाधीश सुमित कुमार हर्षयाना ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को बनकर तैयार हुआ हमारा संविधान देश का सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने छात्रों को समझाया कि देश में जितनी भी विधियां या कानून बनाए जाते हैं, वे सभी संविधान की मूल भावना के अनुरूप ही होते हैं। संविधान से ऊपर कुछ भी नहीं है। डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल राजेंद्र प्रसाद पाठक ने राष्ट्र की सुरक्षा को नागरिकों के कर्तव्यों से जोड़ते हुए कहा कि हमारा देश तभी सुरक्षित और सशक्त रहेगा, जब हम अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन करेंगे। उन्होंने संविधान बनने की ऐतिहासिक प्रक्रिया और प्रस्तावना में उल्लेखित मुख्य शब्दों संप्रभुता, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता आदि के गूढ़ अर्थों को सरल भाषा में समझाया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी ने भी अपने वक्तव्य में संविधान के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की।

गिरवरगंज स्कूल में दी गई कानूनी जानकारी

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गिरवरगंज में भी जागरूकता की लहर देखने को मिली। यहाँ आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी श्रीमती रुचि मिश्रा और व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी आशीष भगत ने की। न्यायाधीशों ने स्कूली बच्चों को बाल अधिकारों, शिक्षा के अधिकार और संविधान के बुनियादी ढांचे के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी, जिससे छात्र काफी लाभान्वित हुए। महाविद्यालय में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य बृजलाल साहू, और असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस कौंसिल कु. वैशाली देवांगन उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त दोनों महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण, शिक्षक, और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ. अखिलेश कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

धान खरीदी में अब टोकन की स्पष्ट व्यवस्था, 2 एकड़ तक 1 टोकन और 10 एकड़ से अधिक भूमि पर मिलेगा 3 टोकन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस.जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिले में धान उपार्जन कार्य सुचारू रूप से जारी है। टोकन वितरण को लेकर किसानों के बीच बनी आशंकाओं को दूर करते हुए जिला प्रशासन ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब भूमि आधारित टोकन की संख्या तय होगी। जिला खाद्य अधिकारी संदीप भगत ने बताया कि 02 एकड़ तक खेती करने वाले किसान 1 टोकन में पूरा धान बेच सकेंगे। 2 एकड़ से अधिक तथा 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को 2 टोकन प्रदान किए जाएंगे। 10 एकड़ से अधिक वाले किसानों को 3 टोकन उपलब्ध होंगे, जिनके माध्यम से उन्हें उपार्जन केंद्र में धान विक्रय करना होगा। उन्होंने बताया कि किसान 'टोकन तुहर हाथ' मोबाइल एप के जरिए प्रतिदिन सुबह 08 बजे से शाम 05 बजे तक आनलाइन टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए 'टोकन तुहर हाथ' ऐप डाउनलोड कर आसानी से टोकन जनरेट किया जा सकता है। टोकन वितरण में 70:30 का अनुपात निर्धारित किया गया है। 70 प्रतिशत टोकन मोबाइल ऐप से तथा 30 प्रतिशत टोकन समितियों के माध्यम से वितरित होंगे। जो किसान मोबाइल का उपयोग नहीं कर पाते, वे अपनी सहकारी समिति में जाकर ऑनलाइन टोकन जनरेट करवा सकते हैं। कलेक्टर एस.जयवर्धन ने किसानों से आग्रह किया है कि बिना किसी भ्रम के निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार टोकन प्राप्त कर समय पर धान विक्रय करें।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

सरगुजा संभागायुक्त कार्यालय में सामूहिक संविधान प्रस्तावना वाचन का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संविधान दिवस के अवसर पर सरगुजा संभाग कार्यालय में सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना का वाचन का किया गया। संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा ने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने प्रस्तावना के प्रत्येक शब्द के साथ संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों, स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुता के मूल्यों को हृदय से आत्मसात किया। संभागायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान मात्र एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि यह देश की लोकतांत्रिक प्रणाली का आधार और नागरिकों का मार्गदर्शक है।

राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुरक्षित रखने ली गई शपथ

संविधान दिवस पर 26 नवंबर को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में भारतीय संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका) का सामूहिक वाचन किया। कलेक्टर विलास भोसकर ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सुनील नायक एवं ए.एल. ध्रुव सहित जिला कलेक्टोरेट कार्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जिले के विभिन्न शासकीय कार्यालयों में भी विभाग प्रमुखों और अधीनस्थ कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पठन और राष्ट्र की एकता, अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने की शपथ ली।

अमृत सरोवर के तटों पर मनाया गया संविधान दिवस

संविधान दिवस के मौके पर जिले के प्रत्येक अमृत सरोवरों के तट पर जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं व स्कूली बच्चों की उपस्थिति में संविधान उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों और अधिकारों पर चर्चा की और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाने का संकल्प लिया। 'एक प्रण-जल संरक्षण' टैगलाइन के साथ सभी ने जल संरक्षण और जलस्त्रोतों को स्वच्छ रखने की शपथ ली। अमृत सरोवरों की व्यापक साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों, युवा समूहों और स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने मिलकर तालाबों और आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता सुनिश्चित की। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सरोवर तटों पर पौधारोपण भी किया।

उन्होंने कहा संविधान हमें न केवल अधिकार प्रदान करता है, बल्कि देश, समाज और कर्तव्यों के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे संविधान में निहित भावनाओं को अपने कार्यों और दैनिक जीवन में उतारें। इस दौरान उपायुक्त आरके खुंटे, शारदा अग्रवाल विभिन्न शाखाओं के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्टाफ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने संविधान दिवस को संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के द्वारा संविधान दिवस को संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में संविधान पर मौजूद खतरे, जांच एजेंसियों के दुरूपयोग, एसआईआर में मतदाताओं पर थोपी गई जवाबदेही और वोट चोरी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। परिचर्चा की शुरुआत से पूर्व महिला सेवादल की अध्यक्ष प्रीति सिंह ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया। इसके उपरांत वक्ताओं ने विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि हाल ही में संपन्न बिहार चुनाव ने साबित किया कि किस प्रकार से चुनाव आयोग जैसी संस्थान का कठपुतली की तरह उपयोग करते हुए चुनाव जीता गया। चुनाव में आचार संहिता का उल्लंघन कर जीविका दीदियों को मतदान के दो दिन पूर्व तक पैसे बांटे गए। सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त एपी सांडिल्य ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रशासनिक हलकों में एक दबाव है। इस गैरवाजिब दबाव के कारण प्रशासनिक अधिकारी संविधानिक आचरण के विरुद्ध कार्रवाई कर रहे हैं। बुलडोजर कानून और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्ष पर दबाव बनाने की करवाई को उन्होंने इसका उदाहरण बतलाया। सभा को ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, दुर्गेश गुप्ता, शकीला सिद्दकी ने भी सम्बोधित किया। सेवादल के जिलाध्यक्ष लोकेश कुमार ने परिचर्चा का संचालन किया। इस दौरान इंद्रजीत सिंह धंजल, संध्या रवानी, अनूप मेहता सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

दो दुकानों के सामने से स्कूटी चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र से चोरों ने दो स्कूटी वाहन पार कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक गांधीनगर थाना क्षेत्र के गोधनपुर का प्रमोद कुमार सिंह प्राइवेट काम करता है। 24 नवम्बर को वह शाम करीब 5.50 बजे काम से रायगढ़ रोड में श्री हरि ट्रेडिंग के सामने स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीव्ही 9387 को खड़ा करके दुकान के अंदर काम से गया था। दुकान से बाहर निकला तो स्कूटी नहीं था। एक अन्य मामले में नवागढ़ निवासी कृषक जितेन्द्र कुमार राजवाड़े का स्कूटी क्रमांक सीजी 15 ईएच 8905, 23 नवम्बर की शाम को कुण्डला सिटी से रात करीब 8.15 बजे अज्ञात चोर ने पार कर दिया। कृषक स्कूटी को मक्खन अग्रवाल के दुकान के पास खड़ा करके दुकान में गया था। दुकान से बाहर निकला तो स्कूटी गायब था। काफी तलाश के बाद भी स्कूटी का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने किया डोर-टू-डोर जनसंपर्क

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में मतदाताओं के सहयोग के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने बुधवार को अपने मतदान बूथ क्रमांक 128 से संबंधित क्षेत्र में डोर-टू-डोर जनसंपर्क किया। एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर प्रशासनिक तौर पर प्रचार-प्रसार और जागरूकता का अभाव देखकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ ने निर्णय लिया था कि सभी वरिष्ठ नेताओं को उनके बूथ पर एसआईआर की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। इसी तारतम्य में पूर्व उपमुख्यमंत्री ने अंबिकापुर विधानसभा के बूथ क्रमांक 128 में संपर्क किया। मतदाताओं से संपर्क के बाद उन्होंने कहा कि लगभग मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्राप्त हो चुका है, लेकिन प्रपत्र प्राप्त होने के बाद मतदाता इसे भरने की जटिलता से जूझ रहे हैं। संपर्क के दौरान उन्होंने खुद कुछ मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को भरा। संपर्क के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, अंबिकापुर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत सिंह, ग्रामीण अध्यक्ष विनय शर्मा सहित बूथ क्रमांक 128 से संबंधित मंडल अध्यक्ष, बीएलए और अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस का भ्रम फैलाना दुर्भाग्यपूर्ण-सिसोदिया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कांग्रेस द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया पर लगातार भ्रम फैलाने का प्रयास अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और तथ्यहीन है। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के द्वारा यह आरोप लगाना कि कथित 'चिन्हांकित' या 'विशेष' लोगों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची में नहीं जोड़े जा रहे, न सिर्फ निराधार है, बल्कि निर्वाचन व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करने वाला राजनीतिक प्रयास भी है।

उक्त बातें भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने जारी बयान में कही है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित होती है। इसमें सबसे पहले ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होती हैं। इसके बाद 30 दिनों तक प्रत्येक पात्र नागरिक को फार्म 6 के माध्यम से नाम जोड़ने, फार्म-7 से आपत्ति लगाने और फार्म-8 से विवरण संशोधन करने का अधिकार दिया जाता है। बीएलओ के सत्यापन तथा ईआरओ द्वारा दस्तावेज आधारित निर्णय के बाद ही नाम जोड़ा या संशोधित किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी राजनीतिक दल या नेता के हस्तक्षेप की कोई संभावना नहीं है। इसके बावजूद कांग्रेस द्वारा बिना किसी तथ्य, वार्ड, अधिकारी या दस्तावेज़ का उल्लेख किए आरोप लगाना चुनाव आयोग और उसके कर्मियों की निष्ठा पर संदेह उत्पन्न करता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत हानिकारक है। भारत सिंह सिसोदिया ने टीएस सिंहदेव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस एसआईआर प्रक्रिया से क्यों डर रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में ऐसे लोगों तक को मतदाता सूची में शामिल कराया गया, जिनका 2003 के रिकॉर्ड में कहीं उल्लेख नहीं है। जब व्यवस्थित सत्यापन हो रहा है, तो कांग्रेस को भय है कि उसके द्वारा प्रायोजित फर्जी वोटर्स सामने आ जाएंगे। इसी वजह से भ्रम फैलाने की राजनीति की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस का जनाधार खिसक चुका है, पार्टी कमजोर हो चुकी है, भाजपा के कार्यकर्ता एसआईआर के महाभियान को सफल बनाने में समर्पित भाव से जुटे हुए हैं, ऐसे में कांग्रेस का अस्तित्व खतरे में आ गया है और इनके नेता हताश होकर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि कांग्रेस के भ्रामक बयानों से दूर रहें। अपने आवश्यक दस्तावेज़ तैयार रखें, बीएलओ को सत्यापन में सहयोग करें, और यदि ड्राफ्ट सूची में नाम न मिले तो निर्धारित समयावधि में फार्म-6 भरकर अपना नाम अवश्य जोड़वाएं। भाजपा का स्पष्ट मत है कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए, परंतु समाज को गुमराह कर राजनीतिक लाभ लेने की प्रवृत्ति को जनता समझती है। निर्वाचन प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 324 के अधीन पूरी तरह पारदर्शी है, इस पर अनावश्यक अविश्वास उत्पन्न करना लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सीधा प्रहार है, जिसकी भाजपा कड़ी निंदा करती है।

मुंबई हमले में शहीद सुरक्षा कर्मियों एवं नागरिकों को बास्केटबॉल संघ ने दी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा 26 नवम्बर को, 26/11 मुंबई आतंकी हमले में शहीद हुए देश के वीर सुरक्षा कर्मियों और निर्दोष नागरिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संघ के सदस्यों, खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों ने मोमबत्तियां जलाकर दो मिनट का मौन रखा और राष्ट्र की सुरक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों के साहस और बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि 26/11 हमले में शहीद हुए जवानों का बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उनके पराक्रम एवं अदम्य साहस को स्मरण करते हुए सभी ने राष्ट्र की एकता, शांति एवं सुरक्षा को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कई खिलाड़ी, कोच, खेलप्रेमी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ परिवार ने किया।

सेवा किटी समूह ने जरूरतमंद बच्चों को बांटा स्वेटर, मोजा और टोपी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सेवा किटी समूह ने ठंड के मौसम को देखते हुए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर, मोजा और टोपी का वितरण किया। समूह के द्वारा निरन्तर बच्चों और महिलाओं के लिए सेवा दी जा रही है। इसी तारतम्य में ग्रामीण अंचलों में जाकर कम्बल वितरण करने की भी योजना बनाई गई है। पहले चरण में बच्चों को वन्दना दत्ता, रेणुका उपाध्याय, ज्योति द्विवेदी, नमिता चावला, स्मिता तिवारी की उपस्थिति में गर्म कपड़े बांटे गए। इस पुनीत कार्य में सेवा किटी की सदस्यों शारदा अग्रवाल, पूनम जायसवल, बलविंन्दर टुटेजा का सहयोग सराहनीय रहा।

संविधान अधिकारों, कर्तव्यों, स्वतंत्रता और न्याय की रक्षा करने वाला पवित्र दस्तावेज

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में संविधान दिवस पर विविध आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई अंतर्गत संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर बी.एड तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न विद्यालयों में संविधान दिवस मनाया और एक साथ शपथ लिया। प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा संविधान दिवस पर भाषण एवं कविता की प्रस्तुती दी गई।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कहा कि 26 नवंबर 1949 वह ऐतिहासिक दिन था, जब भारत की संविधान सभा ने हमारे देश के संविधान को अपनाया। यह संविधान सिर्फ कानून की पुस्तक नहीं, बल्कि हमारे अधिकारों, कर्तव्यों, स्वतंत्रता और न्याय की रक्षा करने वाला पवित्र दस्तावेज है। संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता, न्याय, और बंधुता जैसे मूलभूत मूल्य दिए हैं, यही मूल्य हमें एक मजबूत, समावेशी और एकजुट भारत बनाने की प्रेरणा देते हैं। संविधान की रचना में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने इसे विश्व का सबसे विस्तृत और मजबूत संविधान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागरिक के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम कानून का सम्मान करें, देश की एकता बनाए रखें और समाज

में सद्भाव फैलाएं। अंत में उन्होंने कहा कि संविधान हमें सिर्फ अधिकार ही नहीं देता, बल्कि एक आदर्श नागरिक बनने की भी प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में के विभागाध्यक्ष रानी रजक, सहायक प्राध्यापक उर्मिला यादव, प्रियलता जायसवाल, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया सिंह, सविता यादव, सीमा बंजारे, अर्चना सोनवानी एवं बीएड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

संविधान के सिद्धांतों को व्यवहार में अपनाकर बन सकते हैं जागरूक नागरिक

सरस्वती महाविद्यालय में संविधान दिवस पर प्राचार्य ऋषि सिंह एवं नेप प्रभारी प्रवीण शर्मा द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। सभी ने संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों को स्मरण किया। प्राचार्य ऋषि सिंह ने अपने संबोधन में संविधान को देश की आत्मा बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को इसके सिद्धांतों को व्यवहार में अपनाते हुए जागरूक नागरिक के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। प्रवीण शर्मा ने संविधान और शिक्षा के बीच गहरे संबंध पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा नेप 2020 के माध्यम से शिक्षा में आए सकारात्मक परिवर्तनों पर चर्चा की। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन मलय दास ने किया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक समीक्षा शर्मा, धनकुवर पैकरा, प्राध्यापक अभिनेश चौधरी ने भी संविधान की प्रासंगिकता, समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों पर अपने विचार साझा किए। अंत में सभी शिक्षकों एवं छात्रों ने मिलकर संविधान की शपथ ली और देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मर्यादा को बनाए रखने का संकल्प लिया।

सेमरसोत अभ्यारण्य अंतर्गत कोदौरा में भारी मात्रा में इमारती लकड़ी जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। सेमरसोत अभ्यारण्य के कोदौरा में बड़ी मात्रा में इमारती जप्त की गई है। सेमरसोत अभ्यारण्य के घाघरा बीट के ग्राम झलरिया, पटेल पारा में मुखबिर की सूचना पर भागी पिता कृष्णा एवं अर्जुन यादव पिता मानिकचंद यादव के घर में उपनिदेशक, एलिफेंट रिजर्व सरगुजा के निर्देश पर अधीक्षक सेमरसोत अभ्यारण्य बीएस भगत के मार्गदर्शन में रेंजर कोदौरा विनय टंडन के नेतृत्व में सर्च करके बीजा का लट्ठा 3 नग, साल चिरान 24 नग एवं बीजा चिरान 39 नग, भारी मात्रा में इमारती लकड़ी और फर्नीचर बनाने का औजार जप्त किया गया। जप्त वनोपज की राशि 30 हजार रुपये आंकी गई है। वनोपज जप्ती की कार्रवाई भारतीय वन अधिनियम 1927 एवं वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत की गई और पीओआर प्रकरण दर्ज कर सभी वनोपज को डिपो परिवहन करा दिया गया है। कार्रवाई में गेंम रेंजर बलरामपुर शिवप्रसाद, दिनेश चौहान, रजनीश शुक्ला, समलु राम, निर्मल बड़ा, रविशंकर, सुसन्ना मिंज, प्रेमदानी टोप्पो सहित वन एवं पुलिस बल की उपस्थिति रही।

दुकान का कराकट काटकर चोरी का पर्दाफास, चार गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर थाना बसंतपुर अंतर्गत चौकी वाड्रफनगर क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने पर्दाफास किया है। जानकारी के अनुसार, अजय यादव निवासी वाड्रफनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 23 नवम्बर की रात करीब 9 बजे वह अपना ठेला-दुकान बंद कर घर गया था। 25 नवंबर को जब दुकान खोला तो साइड का कराकट अज्ञात चोरों ने काट दिया था। दुकान में रखा सरसों तेल, रिफाइन तेल, महुआ तथा कुल 10,060 रुपये की सामग्री चोर ले गए थे। रिपोर्ट पर चौकी वाड्रफनगर में धारा 305, 331(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस जांच शुरू की। मुखबिरों को सक्रिय किया गया। इसी दौरान मिली सूचना पर पुलिस ने संदिग्धों को चिन्हित किया और मनजीत कुमार कुशवाहा, चंद्रिका कुशवाहा, संदीप कुशवाहा तथा विशाल कुशवाहा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना कबूल कर लिया। इनके कब्जे से प्लास, रिंच, पाना सहित चोरी किया हुआ महुआ, नगद रकम और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेएमएफसी न्यायालय बलरामपुर में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

खेल मैदान निर्माण, तालाबों के विकास व मुक्तिधाम में बाउंड्री के लिए 1.40 करोड़ स्वीकृत

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद सूडा द्वारा आदेश जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) द्वारा सरगुजा जिले के लखनपुर नगर पंचायत में दो तालाबों के विकास, खेल मैदान के निर्माण तथा मुक्तिधाम में बाउंड्री-वॉल निर्माण के लिए एक करोड़ 39 लाख 58 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद सूडा द्वारा इन कार्यों की स्वीकृति के आदेश जारी कर दिए गए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग के राज्य प्रवर्तित योजनाओं के अंतर्गत इन कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की गई है। सूडा द्वारा लखनपुर नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-12 में कदम डबरी तालाब तथा बभनी तालाब के विकास के लिए क्रमशः 27 लाख 92 हजार रुपए और 57 लाख 26 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड क्रमांक-7 में उन्मुक्त खेल मैदान के निर्माण के लिए 37 लाख 87 हजार रुपये तथा वार्ड क्रमांक 4 में मुक्तिधाम में बाउंड्रीवॉल के निर्माण के लिए भी सूडा द्वारा 16 लाख 53 हजार रुपये मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सभी कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा में काम पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने 50.31 लाख की लागत से गौरवपथ निर्माण का किया भूमिपूजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खैरबार में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना के तहत 50.31 लाख रुपये की लागत से 500 मीटर लंबे गौरवपथ सह नाली निर्माण का भूमिपूजन किया। भूमिपूजन समारोह में मंत्री ने निर्माण कार्य की शुरुआत करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के स्वरूप को बेहतर बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर